twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 27 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 197, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मैं आतंकवाद के ठिकानों को मिट्टी में मिला दूंगा: मोदी

पाकिस्तान को छिपाकर नहीं, बताकर मारा: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दाहोद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 2014 में आज ही के दिन उन्होंने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उसके बाद देश ने कई अकल्पनीय और अभूतपूर्व फैसले लिए हैं। प्रधानमंत्री गुजरात के दाहोद में लोकोमोटिव विनिर्माण संयंत्र सहित 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाली विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद-वेरावल वंदे भारत ट्रेन और वलसाड-दाहोद एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा, ह्लआज 26 मई है। साल 2014 में इसी तारीख को मैंने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। सबसे पहले गुजरात के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया, फिर करोड़ों भारतीयों ने मुझे आशीर्वाद दिया। आपके आशीर्वाद की शक्ति से मैं दिनरात देशवासियों की सेवा में जुटा रहा। इन वर्षों में देश ने वो फैसले लिए जो अकल्पनीय और अभूतपूर्व हैं। इन वर्षों में देश ने दशकों पुरानी बेड़ियों को तोड़ा है। देश हर सेक्टर में आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आज देश निराशा के अंधकार से निकलकर विश्वास के उजाले में तिरंगा फहरा रहा है।

'विकसित भारत बनाने के लिए जी-जान से जुटे'

पीएम ने कहा कि आज हम 140 करोड़ भारतीय मिलकर अपने देश को विकसित भारत बनाने के लिए जी-जान से जुटे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की तरक्की के लिए जो कुछ भी चाहिए, वो हम भारत में ही बनाएं, ये आज के समय की मांग है। भारत आज तेज गति से मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया में आगे बढ़ रहा है। दाहोद के बाद कच्छ में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- मैं पाकिस्तान के बच्चों को कहना चाहता हूं, आपके हुक्म नारा और आपकी सेना आतंकवाद के साये में पल रही है। वो आपके भविष्य को नष्ट कर रही है, इससे मुक्त होने के लिए आपको खुद आगे आने होगा। सुख चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही। भारत की नीति और दिशा एकदम स्पष्ट हैं।

'पाकिस्तान ने हमारे निर्दोष नागरिकों पर हमले किए'

पीएम मोदी ने कहा कि हमने आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया था, पाकिस्तान ने हमारे निर्दोष नागरिकों पर हमले किए। उनके ड्रोन पलक झपकते ढेर हो गए, इसके बाद भारत ने दोगुनी ताकत से हमला किया। भारत ने उनके एयरबेस और सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया। हमने इतनी ताकत से दिया कि उनके सारे एयरबेस आज भी आईसीयू में पड़े हैं।तब जाकर पाकिस्तान शरणागति के लिए मजबूर हुआ, पाकिस्तान को लगा वो बच नहीं सकता क्योंकि भारत ने रौद्र रूप दिखा दिया है। ये हमारी सेना का साहस था कि पाकिस्तान ने कुछ ही घंटों में सफेद झंडे दिखा दिए। हमारी लड़ाई सीमापार पल रहे आतंकवाद से है। भारत ने शांति और समृद्धि का रास्ता चुना है। प्रधानमंत्री मोदी अपने गुजरात दौरे के क्रम में दाहोद के बाद अब भुज पहुंच गए हैं। जहां उन्होंने एक रोड शो में हिस्सा लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भुज में आयोजित विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

हमारी लड़ाई सीमापार पल रहे आतंकवाद से है: पीएम मोदी

कच्छ

दाहोद के बाद कच्छ में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- मैं पाकिस्तान के बच्चों को कहना चाहता हूं, आपके हुक्म नारा और आपकी सेना आतंकवाद के साये में पल रही है। वो आपके भविष्य को नष्ट कर रही है, इससे मुक्त होने के लिए आपको खुद आगे आने होगा। सुख चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही। भारत की नीति और दिशा एकदम स्पष्ट हैं, भारत ने शांति और समृद्धि का रास्ता चुना है। प्रधानमंत्री मोदी अपने गुजरात दौरे के क्रम में दाहोद के बाद अब भुज पहुंचे। गए हैं।

जहां उन्होंने एक रोड शो में हिस्सा लिया है। 22 मई के बाद मैंने कभी छुपाया नहीं सीना तानकर बिहार की जनसभा में घोषणा की थी, कि मैं आतंकवाद के ठिकानों को मिट्टी में मिला दूंगा। हमने 15 दिन तक इंतजार किया, जब पाकिस्तान ने कुछ नहीं तो मैंने देश की सेना को खुली छूट दे दी। भारत के निशाने पर आतंकवादियों के ठिकाने थे। सैकड़ों किमी अंदर जाकर सटीक वार किया। ये साबित हुआ हमारी सेना कितनी सक्षम और कितनी अनुशासित है। हमने दुनिया को दिखाया आतंकवाद के अड्डे और ठिकानों को यहां बैठे-बैठे मिट्टी में मिला सकते है। भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान कितना बौखला गया ये सबने देखा।

हमने आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया था, पाकिस्तान ने हमारे निर्दोष नागरिकों पर हमले किए। उनके ड्रोन पलक झपकते ढेर हो गए, इसके बाद भारत ने दोगुनी ताकत से हमला किया।

गौरव गोगोई बने असम प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने असम में बड़ा संगठनात्मक बदलाव करते हुए सांसद गौरव गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह घोषणा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने सोमवार को की। असम में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव को देखते हुए पार्टी की ओर से यह फैसला लिया गया है। बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत सरमा गोगोई और उनकी पत्नी पर पाकिस्तान से संबंध होने के आरोप लगा रहे हैं।

आठ राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 19 जून को

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने असम और तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा कर दी है। ये चुनाव 19 जून को कराए जाएंगे। 8 सदस्यों का कार्यकाल जून और जुलाई में समाप्त हो रहा है।

असम के सीएम ने की निवेश की अपील

गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि गुवाहाटी और राज्य के अन्य हिस्सों में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए राज्य में निवेश करने के लिए अनुकूल माहौल और स्किल मैनपावर के साथ-साथ सही बुनियादी ढांचा मौजूद है।

ये बातें मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने दिल्ली के ताज पैलेस होटल में 'असम इलेक्ट्रॉनिक्स राउंड टेबल 2025: केंद्रित रणनीति, तैयार बुनियादी ढांचा, असम में निवेश' के उद्घाटन सत्र में कहीं। उन्होंने कहा कि असम पूर्वोत्तर क्षेत्र का केंद्र है। यह राज्य भारत की एक्ट ईस्ट नीति का भी केंद्र है।

जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के खिलाफ ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल), जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) और कई ठिकानों पर छापेमारी के दौरान 1.70 करोड़ रुपये नकद और अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पाकिस्तान से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सम्रगता के साथ गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव को अवगत कराया।

भारत-पाकिस्तान के बीच अमेरिका ने नहीं कराई मध्यस्ता: एस. जयशंकर

नई दिल्ली

एक तरफ जहां ऑल पार्टी डेलिगेशन दुनिया के अलग-अलग देशों में जाकर पाकिस्तान की पोल खोल रही है। वहीं, सोमवार (26 मई) को विदेश मंत्री एस जयशंकर (र ने विपक्ष को बताया कि कैसे भारत ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। ऑपरेशन सिंदूर, भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर और सैन्य तनाव के बीच अमेरिका की दखल से जुड़े विपक्ष के तमाम सवालों का विदेश मंत्री जयशंकर ने जवाब दिया।

घंटों चली कंसलटेटिव कमेटी की बैठक

विदेश मामलों की कंसलटेटिव कमेटी की दिल्ली में बैठक हुई। यह बैठक तकरीबन ढाई घंटे चली। कमेटी में 11-11 लोकसभा और राज्यसभा के सांसद थे। वहीं, कमेटी की अध्यक्षता विदेश मंत्री जयशंकर कर रहे थे। करीब ढाई घंटे तक बंद कमरे में चली बातचीत ने जयशंकर ने विपक्ष के हर सवालों का जवाब दिया।

बैठक में जयशंकर ने स्पष्ट कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अमेरिका की मध्यस्ता नहीं हुई है। डीजीएमओ यानी डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन के स्तर पर सीधी बातचीत के बाद ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित किया गया। वहीं, विपक्षी सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में विदेश मंत्री जयशंकर पर आरोप लगाया था कि उन्होंने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में पाकिस्तान को पहले से ही बता दिया था।

'बाला साहेब होते तो ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते'

नांदेड़

महाराष्ट्र दौरे पर गए गृह मंत्री अमित शाह ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की रवानगी पर शिवसेना के बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आज अगर बालासाहेब ठाकरे होते तो वे ऑपरेशन सिंदूर के लिए पीएम मोदी की सराहना करते। उन्होंने कहा कि शिवसेना के नेता ने प्रतिनिधिमंडल को लेकर कहा कि 'ये किसकी बारात जा रही है?' शिवसेना बालासाहेब ठाकरे की पार्टी थी। उन्होंने कहा कि अगर बालासाहेब ठाकरे जीवित होते तो वे मोदी को गले लगाते। लेकिन शिवसेना (यूबीटी) के एक नेता ने प्रतिनिधिमंडल को बारात कहा। मुझे नहीं पता कि उद्धव सेना को क्या हो गया है। वे प्रतिनिधिमंडल को बारात कह रहे हैं, जबकि उनके अपने सदस्य भी इसका हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी ने फैसला किया कि यह देश का मामला है।

इसलिए सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों का दौरा करेगा और आतंकवाद के पाकिस्तान के चेहरे को उजागर करेगा। फिर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का गठन किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आतंकियों ने उरी पर हमला किया, हमने सर्जिकल स्ट्राइक से जवाब दिया। उन्होंने पुलवामा पर हमला किया, हमने हवाई हमले से जवाब दिया। उन्होंने पहलगाम में हमला किया, हमने ऑपरेशन सिंदूर से जवाब दिया और उनके आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने पूरी दुनिया को संदेश दिया है कि किसी को भी भारतीय सेना, उसके लोगों और उसकी सीमा को परेशान नहीं करना चाहिए, अन्यथा उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। पीएम मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई हम पर हमला करता है, तो गोली का जवाब गोला से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भूल गया कि 11 साल पहले वहां कांग्रेस की सरकार थी, जो अब बदल चुकी है।

जस्टिस वर्मा कैश कांड जांच रिपोर्ट मांग वाली आरटीआई अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के यहां मिले नकदी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त जांच कमेटी की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर अर्जी को नामंजूर कर दिया है। सूचना के अधिकार के तहत दायर अर्जी में तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की ओर से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच हुए संवाद की जानकारी भी मांगी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित जांच कमेटी ने 4 मई को सुप्रीम कोर्ट को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने तत्कालीन चीफ जस्टिस की ओर से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच हुए संवाद की गोपनीयता को आधार बनाकर अर्जी खारिज कर दिया। तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट को प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित जांच कमेटी ने 4 मई को सुप्रीम कोर्ट को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से 14 मार्च को नकदी मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च को इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी के गठन का आदेश दिया था।

अदालत ने यूट्यूबर ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

हिसार

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार ज्योति को हिसार पुलिस पेशी के लिए हिसार कोर्ट लेकर पहुंची थी। ज्योति मल्होत्रा को सिविल जज सुनील कुमार की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। जानकारी के मुताबकि ज्योति को हिसार की सेंट्रल जेल नंबर 2 में रखा जाएगा। यह महिलाओं की जेल है। पेशी के दौरान कोर्ट के अंदर के गेट बंद कर दिए गए थे और भारी पुलिसबल को मौके पर तैनात किया गया था।ज्योति को इससे पहले पांच दिन और दूसरी बार चार दिन के रिमांड पर लिया गया था। रविवार शाम को चार दिन का रिमांड खत्म होने के बाद ज्योति को कोर्ट में पेश किया गया।

ज्योति को सुबह ही कोर्ट में पेश किए जाने के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन पुलिस ज्योति को करीब साढ़े तीन बजे कोर्ट में लेकर पहुंची।

बेसिक शिक्षा राष्ट्र निर्माण की नींव, हर विद्यालय में शिक्षक-छात्र अनुपात होगा सुनिश्चित: योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा को समाज और राष्ट्र की आधारशिला बताते कहा कि यह बच्चों के भविष्य को संवारने का सबसे मजबूत हथियार है। सोमवार को लोकभवन सभागार में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम उन्होंने 3300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने शिक्षा के क्षेत्र में पिछले आठ वर्षों में हुए अभूतपूर्व बदलावों की सराहना की और भविष्य के लिए बेसिक शिक्षा परिषद के कार्यों के एक नए मॉडल की रूपरेखा प्रस्तुत की। सीएम योगी ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प, मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय और निपुण आकलन जैसे कार्यक्रमों के साथ उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत प्रदेश के 139 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों व अतिरिक्त कॉरमेट्री का लोकार्पण किया।

साथ ही सीएम योगी ने 43 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों एवं 66 मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों का शिलान्यास भी किया। इस दौरान उन्होंने ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय हेतु प्रति छात्र-छात्रा 1,200 की धनराशि उनके अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किया।

2017 से पहले स्कूलों में जर्जर भवन, गंदगी और अव्यवस्था का बोलबाला था- योगी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में जर्जर भवन, गंदगी और अव्यवस्था का बोलबाला था। छात्रों की कमी और ड्रॉपआउट दर अधिक थी। लेकिन ऑपरेशन कायाकल्प ने इस तस्वीर को बदल दिया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के लगभग सभी विद्यालय इस अभियान से जुड़ चुके हैं और शेष 2-3 प्रतिशत विद्यालय भी इस वर्ष कायाकल्प के दायरे में आ जाएंगे। इन स्कूलों में अब शौचालय, पेयजल, खेल मैदान, स्मार्ट क्लास, और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्कूलों में छात्रों की संख्या 800-1200 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा का एक नया मॉडल है, जो बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास के अवसर प्रदान कर रहा है।

शिक्षक और छात्र का अनुपात हर हाल में बनाए रखा जाएगा- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शिक्षक और छात्र का अनुपात हर हाल में बनाए रखा जाएगा। शिक्षकों की कमी नहीं होगी। हर विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक होंगे, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले।

देश में बढ़ रहा कोरोना का खतरा; पिछले एक हफ्ते में 750 नए केस आए, दिल्ली में आंकड़ा 100 के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली पिछले एक हफ्ते में 750 नए केस आए, दिल्ली में आंकड़ा 100 के करीब देश में कोरोना के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। बीते एक हफ्ते में देश में कोरोना के 752 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 305 लोगों ने कोरोना संक्रमण को मात दी। चिंता की बात यह है कि बीते सात दिनों में कोरोना से जान गंवाने वालों का आंकड़ा सात दर्ज किया गया है। मरने वालों महाराष्ट्र के चार, केरल के दो और कर्नाटक का एक शख्स शामिल है। नए मामलों की बात करें तो बीते एक हफ्ते में (19 मई के बाद) सबसे ज्यादा 335 मामले केरल, 153 महाराष्ट्र, 99 दिल्ली, 76 गुजरात और 34 कर्नाटक में आए हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, 26 मई को सुबह 8:00 बजे देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 1009 है।

कोरोना के सबसे ज्यादा 403 मामले

कुल केसों की बात करें तो केरल में कोरोना के सबसे ज्यादा 403 मामले दर्ज किए गए हैं। मुंबई में 209 और दिल्ली में अब तक 104 मामले दर्ज किए गए हैं। इन शहरों के बाद गुजरात का नंबर आता है, जहां 83 मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में 47, उत्तर प्रदेश में 15 और पश्चिम बंगाल में 12 मामले दर्ज किए गए हैं। केंद्र सरकार की एजेंसी इंडियन सार्स-सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (Insacog) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, नए कोरोना संक्रमणों में वृद्धि के बीच दो नए वेरिएंट के मामले सामने आए हैं।

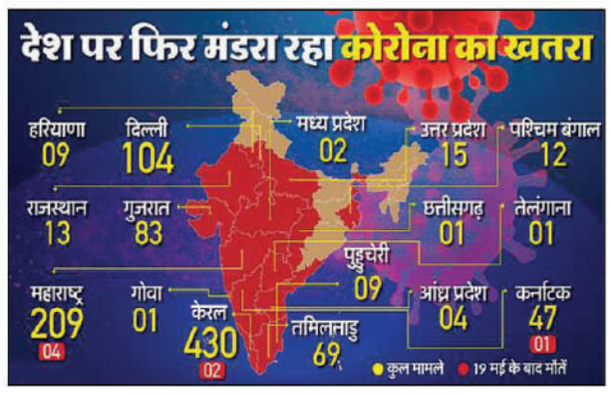

बंगाल में चार और कोविड संक्रमण, सक्रिय मामले 11 हुए

पश्चिम बंगाल में चार और लोगों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। अब यहां सक्रिय मामलों की संख्या 11 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सांस संबंधी समस्याओं वाले मरीजों का सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इनमें से ज्यादातर मामले कोलकाता और उसके उपनगरों से सामने आए हैं। 19 मई तक बंगाल में कोरोना का सिर्फ एक सक्रिय मामला था।

बिहार में मौजूदा लहर का पहला मामला सामने आया

बिहार में सोमवार को कोविड-19 की मौजूदा लहर का पहला मामला सामने आया। पटना के 31 वर्षीय एक व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई। निजी अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज का हाल ही में राज्य से बाहर यात्रा करने का कोई इतिहास नहीं है।

मोदी ने वडोदरा में किया रोड शो

एजेंसी

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के वडोदरा में सोमवार को रोड़ शो किया। श्री मोदी की आज सुबह दो दिवसीय गुजरात यात्रा यहां से शुरू हुई। वडोदरा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री और गुजरात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल तथा गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य गणमान्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उसके बाद उन्होंने वडोदरा में रोड शो किया। जहां अंतर्राष्ट्रीय छात्रों सहित हजारों लोगों ने उनके काफिले पर फूल बरसाए और भव्य स्वागत किया। रोड शो के बाद वह दाहोद के लिए रवाना हो गए। जहां वह रोड शो करके रेलवे सहित राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के 24 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

उसके बाद श्री मोदी भुज जाएंगे और रोड़ शो करके कई परियोजनाओं उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। भुज से वह शाम को अहमदाबाद आएंगे जहां अहमदाबाद एयरपोर्ट से इंदिरा ब्रिज तक तीन किमी लंबा रोड शो करेंगे और गांधीनगर राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। उल्लेखनीय है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पहला गुजरात दौरा है।

झारखंड में 5 लाख का इनामी नक्सली मुठभेड़ में मारा गया, 10 लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी

रांची। झारखंड में लातेहार जिला के नेतरहाट थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में भाकपा माओवादी संगठन के कमांडर पांच लाख के इनामी मनीष यादव मारा गया जबकि दस लाख का इनामी कुंदन खेरवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि

नक्सलियों के साथ यह मुठभेड़ रविवार देर रात शुरू हुई और सोमवार की सुबह तक चली। मुठभेड़ खत्म होने के बाद चलाए गए सर्च अभियान के दौरान मनीष यादव का शव मिला। मनीष यादव के उपर सरकार ने पांच लाख इनाम की घोषणा की थी। इस अभियान के दौरान लातेहार पुलिस को 10 लाख इनामी कुंदन खरवार को भी पकड़ने में भी सफलता हाथ लगी है।मारे गए नक्सलियों के पास से पुलिस ने कई हथियार भी बरामद किया है। उल्लेखनीय है कि बीते 24 मई को एसपी कुमार गौरव के नेतृत्व में लातेहार पुलिस की टीम ने लातेहार थाना क्षेत्र के इचाबार जंगल में जेजेएमपी सुप्रीमो 10 लाख इनामी उग्रवादी पप्पू लोहरा और पांच लाख इनामी उग्रवादी प्रभात गंझू को भी मार गिराया था।

पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ बन चुका है : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली । भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बहरीन में प्रमुख हस्तियों के साथ बातचीत के दौरान पाकिस्तान को एक विफल राज्य बताया। ओवैसी के इस बयान पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पाकिस्तान को आतंकवाद का गढ़ और टकसाल बताया। सोमवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा नेता ने कहा कि पाकिस्तान अपने यहां न केवल आतंकवादियों को पैदा कर रहा है, बल्कि उन्हें दुनिया भर में सप्लाई भी कर रहा है। जब आतंकवाद किसी देश की सबसे बड़ी संपत्ति बन जाता है और आतंकवादियों को उसके सबसे मूल्यवान संसाधन के रूप में देखा जाता है, तो पूरी दुनिया को सचेत करना जरूरी हो जाता है। दुनिया अच्छी तरह से जानती है कि आतंक की फैक्ट्री शांति की खाद नहीं पैदा कर सकती। पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सबसे सुरक्षित पनाहगाह बन गया है, एक ऐसा चारागाह जहां वे खुलेआम फलते-फूलते हैं और यह वैश्विक सुरक्षा के लिए चुनौती है। पूरे विश्व की शांति के लिए आतंकवाद का खात्मा होना बेहद ही जरूरी है। क्योंकि पाकिस्तान ने कभी भी आतंकवादियों के प्रति शर्मिंदगी जाहिर नहीं की है।

एनसीआर में बारिश और तूफान : अगले दो दिन के लिए अलर्ट जारी, 31 मई तक तापमान में गिरावट की संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। शुरू हुआ तेज बारिश और गरज-चमक वाला मौसम अब भी जारी है और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 26 और 27 मई के लिए भी चेतावनी जारी कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार, इन दो दिनों में तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं का सामना एनसीआर के लोगों को करना पड़ सकता है। मौसम विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 26 मई को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाएगा। इस दिन बारिश के साथ बिजली गिरने और तेज हवाओं का प्रकोप देखने को मिल सकता है। इसी तरह, 27 मई को भी मौसम विभाग ने थंडरस्टॉर्म के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसमें अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री रहेगा। 28 मई को स्थिति थोड़ी हल्की होगी, जहां बादलों के छाए रहने और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है, लेकिन कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। 29 और 30 मई को फिर से 'थंडरस्टॉर्म विथ रेन' की संभावना है, लेकिन राहत की बात यह है कि इन दिनों मौसम विभाग की ओर से कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। 31 मई को हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई गई है। इस बदले हुए मौसम के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। जहां मई के महीने में पारा अक्सर 40 डिग्री के पार चला जाता है, वहीं इस बार 26 से 31 मई के बीच तापमान 32 से 38 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली है।

'मैंने वही किया, जिसके लिए देश ने मुझे प्रधान सेवक बनाया'

▸▸ गुजरात में ऑपरेशन सिंदूर पर बोले मोदी

'अगर कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है।

एजेंसी

दाहोद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के दाहोद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर मिटाने वालों का मिटना तय है। यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं है, बल्कि ये हम भारतीयों के संस्कारों, हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है। पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा, 'ये क्षेत्र मां भारती की, मानवता की रक्षा के लिए हमारे तप और त्याग को दर्शाता है। सोचिए, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने जो कुछ किया, क्या भारत चुप बैठ सकता है? क्या मोदी चुप बैठ सकता

है? आतंकवाद को पनाह देने वालों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना इतना मुश्किल होगा।' उन्होंने कहा, 'अगर कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। इसलिए 'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। ये हम भारतीयों के संस्कारों, हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है।'

'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैंने तीनों सेनाओं को पूरी छूट दी और हमारे बहादुर सैनिकों ने वो कर दिखाया, जो दुनिया ने दशकों में नहीं देखा था। हमने सीमा पार चल रहे नौ सबसे बड़े आतंकी शिविरों की पहचान की और उनके ठिकानों की पुष्टि की। 22 अप्रैल को उन्होंने जो खेल खेला, उसके जवाब में हमने 6 मई की रात को सिर्फ 22 मिनट में उन्हें धूल चटा दी। आतंकवादियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। इसलिए मैंने वही किया, जिसके लिए देशवासियों ने मुझे प्रधान सेवक की जिम्मेदारी दी है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत की इस कार्रवाई से बौखलाकर जब पाकिस्तानी सेना ने दुस्साहस दिखाया, तो हमारी सेनाओं ने पाकिस्तानी फौज को भी धूल चटा दी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा, 'विभाजन के बाद जिस देश का जन्म हुआ, उसका एक ही लक्ष्य था, भारत का विरोध करना, भारत से नफरत करना और भारत को नुकसान पहुंचाना। लेकिन, भारत का लक्ष्य गरीबी मिटाना, अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और विकसित भारत के रूप में प्रगति करना रहा है। विकसित भारत का विजन केवल एक मजबूत सेना और एक मजबूत अर्थव्यवस्था के माध्यम से ही साकार होगा।'

'राष्ट्रीय सुरक्षा से नहीं होगा कोई समझौता', असम सीएम ने 'पाकिस्तानी' लिंक के आरोपों पर गौरव गोगोई को फिर घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी पर एक बार फिर 'पाकिस्तानी' लिंक का आरोप लगाया है। उन्होंने कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के बयान का जिक्र करते हुए दावा किया कि गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी वास्तव में पाकिस्तान सरकार के पेरोल पर थीं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने स्वीकार किया कि सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी वास्तव में पाकिस्तान सरकार के पेरोल पर थीं। अगर यह सच है, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। एक दुश्मन देश से जुड़े

व्यक्ति का एक सांसद के करीबी दायरे में होना भारत की संस्थाओं की अखंडता के लिए गंभीर और अस्वीकार्य खतरा है।' उन्होंने कहा, 'हमें पहले इस चौंकाने वाली जानकारी का पता नहीं था। अब जब यह खुलासा हो गया है, तो इस मामले की गंभीरता के साथ जांच की जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। हम बोरा का बयान दर्ज करेंगे और इस मामले में आगे की कार्रवाई करेंगे।' इससे पहले, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई पर आरोप लगाते हुए कहा था कि असम में हमारे पास केवल एक पाकिस्तानी है। उसकी शादी राज्य के एक स्थानीय परिवार में हुई है और वह सुखी जिले में रहती है। वह मूल रूप से पाकिस्तान की है और उसने दीर्घकालिक वीजा के लिए आवेदन किया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उसे वापस भेजा जाना चाहिए या नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा था, 'उसके अलावा, असम में हमारे पास कोई पाकिस्तानी नागरिक नहीं है।'

हाईकोर्ट ने स्पाइसजेट से 1,300 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगने वाली मारन की याचिका खारिज की

● यह जानकारी बजट एयरलाइन की ओर से रेगुलेटरी फाइलिंग में दी गई।

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने केएएल एयरवेज और कारोबारी कलानिधि मारन द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया है। इस याचिका में स्पाइसजेट से 1,300 करोड़ रुपए से अधिक के हर्जाने और अन्य दावों की मांग की गई थी। यह जानकारी बजट एयरलाइन की ओर से रेगुलेटरी फाइलिंग में दी गई। स्पाइसजेट ने बयान में कहा, 'इन दावों को पहले ही आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल और दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया था। केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने शुरू में आर्बिट्रेशन कार्यवाही के दौरान 1,300 करोड़ रुपए से अधिक का हर्जाना मांगा था। इन दावों की गहन जांच की गई और बाद में सुप्रीम कोर्ट के तीन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा खारिज कर दिया गया।÷ इसके बाद केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने दिल्ली हाईकोर्ट की एकल पीठ में अपील दायर कर इतनी ही राशि का हर्जाना मांगा, जिसे

न्यायालय द्वारा फिर खारिज कर दिया। दोपहर के कारोबार में स्पाइसजेट के शेयरों की कीमत 2.6 प्रतिशत बढ़कर बीएसई पर 44.97 रुपए प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था। वित्तीय समस्याओं के कारण लंबे समय तक ग्राउंड रहने के कारण अजय सिंह ने पहले स्पाइसजेट को मारन को बेचा था और फिर जनवरी 2015 में एयरलाइन को फिर से खरीद लिया था। ट्रिब्यूनल ने फैसला सुनाया कि मारन को सिंह और एयरलाइन को पीनल इंटरेस्ट के रूप में 29 करोड़ रुपए देने हैं, जबकि सिंह को मारन को ब्याज सहित 579 करोड़ रुपए चुकाने का निर्देश दिया गया था। ट्रिब्यूनल ने फैसले में बताया कि जनवरी 2015 के अंत में मारन और वर्तमान प्रमोटर सिंह के बीच किए गए शेयर बिक्री और खरीद समझौते का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। इसके बाद अपील को खारिज कर दिया गया। फरवरी 2015 में सन नेटवर्क के प्रमोटर और उनके इन्वेस्टमेंट व्हीकल केएएल एयरवेज ने स्पाइसजेट में अपनी 58.46 प्रतिशत हिस्सेदारी को 1,500 करोड़ रुपए की कर्ज देनदारी के साथ मात्र 2 रुपए में सिंह को हस्तांतरित कर दिया था।

हर पीड़ित को न्याय दिलाना और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का उद्देश्य : सीएम योगी

जनता दर्शन में आए दिव्यांग की भी शिकायत सुनकर सीएम ने तत्काल निराकरण का निर्देश दिया।

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनी। इस दौरान यहां प्रदेश भर से लगभग 65 से अधिक पीड़ित पहुंचे। सीएम योगी हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचे, समस्या सुनी, प्रार्थना पत्र लिया और उन्हें अहसास कराया कि हर समस्या में सरकार साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री योगी ने निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित को न्याय दिलाना और चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का उद्देश्य है। जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, पेंशन, फीस माफी, आवास, आंगनबाड़ी आदि से जुड़े

अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों के साथ पहुंचे बच्चों को पुचकारा-दुलारा और चॉकलेट भी दी। इस दौरान सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थानीय शिकायतों का समाधान जनपद स्तर पर ही कराया जाए। जो समस्याएं शासन स्तर से निस्तारित होनी हैं, उन्हें ही यहां भेजी जाए। हर पीड़ित को न्याय दिलाकर चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का उद्देश्य और समस्याओं का निस्तारण सरकार की विशेष प्राथमिकता है। अफसरों से कहा कि पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टि परक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए बच्चों को दुलार किया। उन्होंने बच्चों से बातें की, पढ़ाई के बारे में जानकारी ली, फिर चॉकलेट-टॉफी प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। जनता दर्शन में आए दिव्यांग की भी शिकायत सुनकर सीएम ने तत्काल निराकरण का निर्देश दिया।सीएम योगी के कार्यालय ने जनता दर्शन की फोटो शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जन-जन की सुरक्षा, समृद्धि व खुशहाली सीएम योगी की शीर्ष प्राथमिकता है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में श्री बटुक भैरव मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

जयपुर । सीएम भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली के कनॉट प्लेस के पास राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग द्वारा संचालित श्री बटुक भैरव मंदिर में पूर्ण विधि-विधान से पूजा-अर्चना की ।सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रभु श्री बटुक भैरव जी का आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। साथ ही हमारा जीवन सुख, समृद्धि और खुशहाली से परिपूर्ण हो, यही प्रार्थना है।

'अच्छे दिन' की बात अब एक 'डरावने सपने' की तरह साबित हुई, खड़गे का केंद्र सरकार पर हमला

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने 2014 के चुनावी वादों की याद दिलाते हुए सरकार पर तंज कसा। इसके साथ कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने 7 प्वाइंट गिनाते हुए बताया कि मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल कैसा रहा। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि 11 सालों में मोदी सरकार ने देश की ऐसी दुर्दशा की कि 'अच्छे दिन' की बात अब एक 'डरावने सपने' की तरह साबित हुई। 140 करोड़ जनता का हर तबका परेशान है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में युवा, किसान, महिलाओं, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति का भी जिक्र करते हुए केंद्र को भी निशाने पर लिया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, '26 मई 2014, 11 सालों में बड़े-बड़े 'वादों' को खोखले 'दावों' में बदलकर मोदी सरकार ने देश की ऐसी दुर्दशा की, कि 'अच्छे दिन' की बात अब एक 'डरावने सपने' की तरह साबित हुई।' उन्होंने आगे लिखा, 'युवाओं से सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा किया, लेकिन असलियत में करोड़ों नौकरियां गायब हैं। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा, लेकिन उन्हें रबर बुलेट खाने पड़ी। महिला आरक्षण पर शर्तें लागू, सुरक्षा तार-तार हुई। कमजोर वर्ग-एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यकों पर भयावह अत्याचार, और हिस्सेदारी खत्म हो गई।' मल्लिकार्जुन खड़गे ने अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि महंगाई की पराकाष्ठा, बेरोजगारी की बाढ़, खपत ठप्प, 'मेक इन इंडिया' फ्लॉप रहा और असमानता चरम पर है।

सिम तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने साइबर और टेलीकॉम अपराध नेटवर्क का खुलासा किया है। मामले में मध्यप्रदेश के रहने वाले पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित दुबई के एक एजेंट के संपर्क में थे जो सिमकार्ड को गेमिंग ऐप्स में प्वाइंट एकत्र करने के लिए इस्तोल करता था। पुलिस ने आरोपितों को 398 सक्रिय भारतीय सिम कार्ड की अवैध खरीद और विदेश में सिम कार्ड की तस्करी में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान उज्जैन के रहने वाले अंकित कुमावत (30) और देवास के रहने वाले अश्विन कुमार (37), मनीष कुमार (35), लोकेन्द्र सेंधव (32) और द्वारका प्रसाद (42) के रूप में की गई है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। 15 फरवरी 2025 को आईजीआई हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारियों ने दुबई जाने वाली इंडिगो उड़ान में यात्रा करने वाले सुनील रावत को संदिग्ध व्यवहार और रैंडम एक्स-रे जांच के आधार पर रोका। जांच में उनके पास 398 सक्रिय भारतीय सिम कार्ड (212 एयरटेल और 186 वोडाफोन आइडिया) मिले, जो विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत थे। जांच के दौरान सुनील रावत ने बताया कि उसके स्कूल के दोस्त फैसल ने उसे सिम कार्डों का पार्सल लाने और नौकरी का अवसर देने के लिए 35,000 रुपये की पेशकश की थी।

कैदी पैरोल लेकर 15 साल तक रहा गायब, अब हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली। उम्र कैद की सजा पाया कैदी पैरोल लेकर 15 साल तक गायब रहा। अब दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उसे बरेली से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान शाहजहांपुर, यूपी निवासी धीरेंद्र सिंह तोमर (46) के रूप में हुई है। वह राजन सिंह बनकर अपने रिश्तेदार की गाड़ी चला रहा था। टीम उसे लेकर दिल्ली आ गई। बाद में जेल प्रशासन को उसकी गिरफ्तारी की सूचना दे दी गई। धीरेंद्र और उसके गैंग ने दिल्ली के न्यू अशोक नगर, उत्तराखंड के हल्द्वानी, अलमोड़ा और लोहाघाट, चंपावत में चार टैक्सी चालकों को अगवा कर लूटपाट के बाद उनकी हत्या कर दी थी। मामले में दो आरोपित अब भी फरार चल रहे हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि 17 मार्च 2001 को न्यू अशोक नगर इलाके में दो लोग अचेत हालत में मिले थे। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया। दूसरे की समय पर इलाज मिलने की वजह से जान बच गई। पुलिस ने मामले में धीरेंद्र और उसके एक साथी दिलीप नेगी को गिरफ्तार कर लिया। इन लोगों ने जयपुर से टैक्सी किराए पर ली। इसके बाद दिल्ली लाकर चालक और सहयोगी की हत्या कर दी। बाद में टैक्सी लूटकर फरार हो गए। समय पर इलाज मिलने से सहयोगी तो बच गया। मामले में एक अक्तूबर 2007 को दिलीप और धीरेंद्र को उम्र कैद हो गई। दो अन्य साथी अजय और धीरज को भगोड़ा करार दे दिया गया। तीन नवंबर 2010 को धीरेंद्र एक माह की पैरोल पर रिहा हुआ। उसे दिसंबर में सरेंडर करना था, लेकिन वह गायब हो गया।

कपड़े की फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली। यहां उद्योग नगर क्षेत्र में सुबह एक कपड़े की फैक्टरी में आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना एफ-11, उद्योग नगर, गेट नंबर-2 के पास स्थित एक फैक्टरी में सुबह करीब 5:25 बजे सामने आई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल कूलिंग का कार्य अभी जारी है। दमकल अधिकारियों के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और फैक्टरी में मौजूद सामग्री की जांच की जा रही है। स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है।

हरियाणा कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने आपत्तिजनक बयान पर सांसद जांगड़ा के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली। हरियाणा की कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवारों के प्रति भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के आपत्तिजनक बयान को लेकर उनके इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने बयान को निंदनीय और शर्मनाक बताते हुए कहा कि भाजपा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नकली नारा देने वाली पार्टी है और उसे बहन-बेटियों का मान-सम्मान करना नहीं आता। गीता भुक्कल ने कहा, 'भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा अक्सर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं और हाल ही में उन्होंने धर्म और जाति के नाम पर अपमानजनक बातें करके सभी हदें पार कर दीं। उन्हें शर्म आनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।' उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम में एक दुखद घटना हुई, जिसमें 26 से अधिक लोगों की जान चली गई। कई परिवार बिखर गए, अपने प्रियजनों को खो दिया। कितनी मां-बहनों के सिंदूर उजड़ गए। ऐसे में पूरा देश एकजुट होकर सरकार और सेना के समर्थन में आया है। वहीं, भाजपा के सांसद ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। विधायक ने कहा कि भाजपा में कई और नेता हैं।

सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरी:मोहन भागवत

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत को इतना सामर्थ्यवान बनना चाहिए कि कोई भी शक्ति उसे पराजित न कर सके। उन्होंने संघ प्रार्थना की एक पंक्ति का उल्लेख करते हुए बताया कि यह केवल भावना नहीं बल्कि हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि अपना स्वयं का बल ही वास्तविक बल होता है और सुरक्षा के मामले में हमें किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। भागवत ने संघ की विचार पत्रिकाओं के संपादकों को दिए साक्षात्कार में देश, समाज और हिंदुत्व से जुड़े कई अहम विषयों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने आत्मनिर्भर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, संघ में महिलाओं की भूमिका और धर्म आधारित जीवन मूल्यों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।उन्होंने कहा कि विश्व में कुछ लोग आक्रामक प्रवृत्ति के होते हैं और केवल सज्जनता से उनकी रोकथाम संभव नहीं है। सज्जनता के साथ

शक्ति भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब सज्जनता में शक्ति नहीं होती तो वह असहाय बन जाती है और शक्ति यदि सज्जनता से रहित हो तो हिंसा में बदल सकती है। इसलिए दोनों का संतुलन आवश्यक है।उल्लेखनीय है कि मोहन भागवत का यह साक्षात्कार भारत के ऑपरेशन सिंदूर के पहले लिया गया था। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अब वहां का हिंदू समाज पहले से अधिक जागरूक और आत्मविश्वासी हो गया है। पहले ऐसे हालात में पलायन होता था लेकिन अब वहां के हिंदू कहते हैं कि वे भागेंगे नहीं बल्कि अपने अधिकारों के लिए वहीं संघर्ष करेंगे। भागवत ने इसे हिंदू समाज के बढ़ते आत्मबल और संगठन का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वभर में फैले हिंदू समाज के साथ खड़ा है। संघ मर्यादाओं के भीतर रहकर जहां भी संभव हो सहायता करता है। संघ का उद्देश्य केवल भारत में नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर हिंदू समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।हिंदुत्व को लेकर चल रही बहस पर उन्होंने कहा कि हिंदुत्व कोई संप्रदाय नहीं है और न ही यह कोई बंद विचारधारा है। यह सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या जैसे मूल्यों पर आधारित जीवन दृष्टि है जिसमें विविधताओं का सम्मान और स्वीकार है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्थान एक धर्मप्राण राष्ट्र है और धर्म ही सृष्टि को संचालित करता है। यह मानना या न मानना व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है लेकिन सत्य को मानने से लाभ होता है और नहीं मानने पर हानि होती है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व को कट्टर या राजनीतिक विचार कहना गलत है और यह केवल भ्रम फैलाने का प्रयास है। भागवत ने कहा कि राष्ट्र की एकता का विचार संविधान में भी निहित है। हम सभी एक समाज और एक राष्ट्र हैं। यह अपनाने का विचार है ना कि ध्रुवीकरण का। उन्होंने यह भी कहा कि कोई स्वयं को हिंदू कहे या भारतीय या इंडिक- यदि उसकी भावना एकता की है तो शब्दों से फर्क नहीं पड़ता। समरसता के विषय पर उन्होंने कहा कि केवल कानून से सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होती क्योंकि इसका निवास मन में होता है।

एनआईए अधिकारियों ने सऊदी हैंडलर्स से मिलने वाले फंड पर भी लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। विजयनगरम विस्फोट साजिश मामले में आरोपितों की सुनवाई लगातार आज तीसरे दिन खत्म हो गई है। दिल्ली एनआईए अधिकारियों ने सिराज और समीर के बयान दर्ज किए। सुनवाई के तीसरे दिन कई अहम बातें सामने आईं। पता चला कि सिराज और समीर ने विस्फोटों के लिए हैदराबाद, विजयनगरम, दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई में रेकी की थी। अधिकारियों ने विशाखापत्तनम के एक सेवानिवृत्त राजस्व अधिकारी की भूमिका के बारे में पूछताछ की। पता चला कि समूह में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के 12 लोग शामिल थे।बताया जा रहा है कि एनआईए अधिकारियों ने सऊदी हैंडलर्स से मिलने वाले फंड पर भी रोक लगा दी है। अधिकारियों ने आतंकवाद से विदेशी संबंधों, धमाकों की साजिश और वित्तीय लेन-देन पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट्स, संगठन के खातों और विदेशी संबंधी टेलीफोन कॉल्स की जांच की है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उनके बीच विभिन्न मुद्दों पर बातचीत हुई। इसके पहले शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग बॉडी की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भेंट हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दो दिवसीय नई दिल्ली प्रवास सार्थक और सफल रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की 10वीं बैठक में भाग लिया। यह बैठक 'विकसित राज्य फॉर विकसित भारत @2047' थीम पर केंद्रित थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में शामिल होकर प्रधानमंत्री मोदी का

मार्गदर्शन प्राप्त किया और इस बैठक को भारत के भविष्य निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में सभी राज्य 'टीम इंडिया' की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश विकास और लोक कल्याण के संकल्प पथ पर अग्रसर है और निरंतर नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत'के निर्माण के विजन से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की प्रथम पंक्ति में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है।

लालू प्रसाद यादव के परिवार में कुछ लोग फूट डालने का षड्यंत्र रच रहेः पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि कुशवाहा

एजेंसी

नई दिल्ली । तेजप्रताप यादव को जिस तरह से बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू यादव ने घर और दल से बाहर का रास्ता दिखाया है, उसे लेकर राजनीतिक गलियारों में तमाम तरह की कानाफूसी हो रही है। इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि ने दावा किया है कि कुछ लोग लालू प्रसाद यादव के परिवार में फूट डालने का षड्यंत्र रच रहे हैं। सोमवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'हाल की घटना ने कई लोगों को हैरान कर दिया है। तेजप्रताप के तलाक का मामला कुछ समय से चल रहा है, परिवार को इसका हल निकालने की कोशिश करनी चाहिए। दूसरी ओर अगर तेजस्वी यादव को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ना है और अपना कद बढ़ाना है, तो उन्हें परिवार और पार्टी में अनुभवी और उपयुक्त वरिष्ठ नेताओं का समर्थन चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि यह इतनी बड़ी घटना नहीं थी। तेजप्रताप का तलाक वाला मामला काफी दिनों से चल रहा है।

वह युवा नेता हैं, कहीं न कहीं तो किसी से कनेक्शन तो रहता ही है। यह बड़ी बात नहीं है। मुझे लगता है कि इसे ज्यादा तूल दिया गया। परिवार में फूट डालने के लिए कुछ लोग षड्यंत्र कर रहे हैं। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने एक पोस्ट के जरिए अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। लालू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है। अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे, वे स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद उभरते खतरों से मुकाबले को सतर्क रहें तीनों सेनाएं : सीडीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने उत्तरी एवं पश्चिमी कमान मुख्यालयों का दौरा किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों की रणनीतिक समीक्षा और ऑपरेशनल स्थितियों का आकलन किया। उन्होंने उभरते खतरों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं में निरंतर सतर्कता एवं एकजुटता पर जोर दिया। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने आज जम्मू एवं कश्मीर के उधमपुर में भारतीय सेना की उत्तरी कमान और हरियाणा के चंडी मंदिर सैन्य स्टेशन में पश्चिमी कमान का दौरा किया।

उन्होंने सेना के कमांडरों लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा एवं लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार तथा उन वरिष्ठ स्टाफ अधिकारियों से बातचीत की, जो ऑपरेशन सिंदूर की योजना एवं क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने यात्रा के दौरान उत्तरी एवं पश्चिमी क्षेत्रों में रणनीतिक समीक्षा और संचालन संबंधी आकलन किया।उधमपुर में सीडीएस को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकी नेटवर्क एवं आतंक को समर्थन देने वाली शत्रु की

परिसंपत्तियों को प्रभावहीन करने और अपनी सैन्य परिसंपत्तियों एवं नागरिकों की रक्षा के लिए उठाए गए उत्तरी सेना के सफल जवाबी कदमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें शत्रु की ओर से निशाना बनाए गए सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों के पुनर्वास के संबंध में उत्तरी सेना के किए गए प्रयासों के बारे में भी बताया गया। उत्तरी सेना के कमांडर ने सीडीएस को उत्तरी सेना की संचालन एवं लॉजिस्टिक्स संबंधी निरंतर तैयारियों के बारे में जानकारी दी और सीमाओं की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में आश्वस्त किया। साथ ही जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए संपूर्ण प्रयास करने का भी भरोसा दिया गयाचंडी मंदिर सैन्य स्टेशन में पश्चिमी सेना के कमांडर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के प्रयासों पर प्रतिक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पश्चिमी सीमाओं पर मौजूदा सुरक्षा स्थिति को रेखांकित करते हुए संचालन संबंधी माहौल, रक्षा तैयारियों और अभियान के प्रमुख परिणामों का विस्तृत विवरण दिया गया। इसके अलावा उन्नत लॉजिस्टिक्स क्षमता, उच्च स्तर की संचालन दक्षता में योगदान, वास्तविक समय की स्थिति के बारे में जानकारी, पश्चिमी सेना की सैन्य क्षमता को मजबूत करने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया।

मालदीव के विदेश मंत्री समुद्री साझेदारी पर उच्च स्तरीय बैठक में शामिल होने दो दिवसीय यात्रा पर आएंगे नई दिल्ली

एजेंसी

नई दिल्ली। मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील भारत-मालदीव समुद्री साझेदारी पर होने वाली बैठक में हिस्सा लेने नई दिल्ली आएंगे। यह बैठक 26 मई को नई दिल्ली में होगी। वे 25 से 27 मई तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार बैठक में भारत-मालदीव विजन डॉक्यूमेंट की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। यह दस्तावेज अक्टूबर 2024 में राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा में तैयार हुआ था। दस्तावेज में समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और विकास को प्राथमिकता दी गई है।डॉ. खलील

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय मुद्दों और सहयोग पर चर्चा होगी। दोनों नेता नई साझेदारियों पर भी विचार कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत मालदीव को प्रमुख समुद्री पड़ोसी और रणनीतिक भागीदार मानता है। यह साझेदारी भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति का हिस्सा है। यह यात्रा 'विजन महासागर' नीति को भी मजबूती देती है। डॉ. खलील की यह इस वर्ष तीसरी भारत यात्रा होगी। वे इससे पहले जनवरी और मार्च में भारत आ चुके हैं। लगातार हो रही यात्राएं मजबूत राजनीतिक संवाद का संकेत हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने पहली बार कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से की बात

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहली बार कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से फोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और कनाडा के बीच रिश्ते बेहतर बनाने पर चर्चा की। अनीता आनंद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर यह जानकारी दी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भारत-कनाडा संबंधों पर उपयोगी बातचीत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'कनाडा और भारत के रिश्ते मजबूत करने, आर्थिक सहयोग बढ़ाने और हमारी साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर आज हुई उपयोगी बातचीत के लिए मंत्री डॉ. जयशंकर का धन्यवाद। मैं आगे भी मिलकर काम करने की उम्मीद करती हूं।'इसके थोड़ी देर बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर अनीता आनंद से हुई बातचीत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इस बातचीत में भारत और कनाडा के रिश्तों की संभावनाओं पर चर्चा हुई। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से हुई बातचीत सराहनीय रही। हमने भारत-

कनाडा रिश्तों की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्हें सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भारत के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। भारतीय मूल की 58 साल की सांसद अनीता आनंद को इस महीने की शुरुआत में कनाडा की नई विदेश मंत्री नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति तब हुई जब प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कैबिनेट में बदलाव की घोषणा की। यह फेरबदल लिबरल पार्टी की संसद चुनावों में जीत के करीब दो हफ्ते बाद किया गया।

14 मई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अनीता आनंद को कनाडा की विदेश मंत्री बनने पर बधाई दी।चुनाव से पहले अनीता आनंद कनाडा की नवाचार, विज्ञान और उद्योग मंत्री थीं। इससे पहले वह रक्षा मंत्री समेत कई अहम जिम्मेदारियां संभाल चुकी हैं। उन्होंने मेलानी जोली की जगह ली है, जो अब कनाडा की उद्योग मंत्री हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कनाडा का प्रधानमंत्री चुने जाने पर मार्क कार्नी को बधाई दी थी।

हिन्दी भवन में हुआ पंडित गोपाल प्रसाद व्यास की रचनावली का लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। पंडित गोपाल प्रसाद व्यास जी द्वारा रचित साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना पहले था। अतित व्यतित नहीं होता है बल्कि रास्ता दिखाता है। अपने पत्रिकारिता के दौरान मैंने धमवीर भारती जैसे लोगों से मुझे बहुत कुछ सिखने मिला। उन्होंने रचनावली के आने पर बधाई देते हुए कहा कि यह रचनावली व्यास जी के असंख्य चाहने वालों के लिए आनंद एवं ज्ञान का स्रोत सिद्ध होगी। यह बातें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने रविवार को हिन्दी भवन के सभागार में हिन्दी भवन के संयोजक, हिन्दी भवन न्यास समिति के संस्थापक मंत्री पंडित गोपाल प्रसाद व्यास की छपी रचनावली का लोकार्पण करते हुए कही।कार्यक्रम की शुरुआत पंडित गोपाल प्रसाद व्यास के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुआ। इस दौरान पंडित व्यास की नौ एवं 13 खण्डों में छपी रचनावलीलोकार्पण मंच पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, पूर्व राज्यपाल व पूर्व कैबिनेट सचिव प्रभात कुमार, हिन्दी भवन के अध्यक्ष डॉ गोपाल चंद्र मिश्र, कवि सुरेन्द्र शर्मा, ह्रास्य कवि डॉ अशोक चक्रधर, चिराग जैन, अरुण जैमिनी, आलोक पौराणिक, इंदिरा मोहन आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर अत्यंत प्रतिष्ठित लाल किला कवि सम्मेलन के लगातार 25 वर्षों तक संयोजक रहे पंडित गोपाल प्रसाद व्यास के साथ कार्यक्रम में पहुंचे कवियों ने श्री व्यास के सम्मान में काव्यांजलि प्रस्तुत की। इस दौरान गोपाल प्रसाद व्यास रचनावली के संपादक तथा हिन्दी भवन के मंत्री डॉ गोविंद व्यास जी ने बताया कि 2005 में व्यास जी के निधन के बाद से ही उनके पाठकों की भारी मांग पर रचनावली प्रकाशित किए जाने के प्रयास किए जा रहे थे, परंतु व्यास जी द्वारा रचित विपुल साहित्य का संपादन कोई सहज कार्य नहीं था। अनेक बार कई जगह बिखरे हुए व्यास जी के रचनाकर्म को सहेजने, उसे क्रमबद्ध किए जाने, जीर्ण-शीर्ण हो जाने के कारण ठीक से पढ़ी न जा सकने वाली रचनाओं को यथासंभव शुद्ध रूप में पाठकों तक पहुंचाने के प्रयासों में, और कई बार अन्य अनेकों अनापेक्षित कारणों से भी विलंब हुआ।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, डिप्टी एनएसए अगले सप्ताह जाएंगे अमेरिका

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री और राष्ट्रीय उप सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) पवन कपूर जल्द वाशिंगटन जाएंगे। शीर्ष पदस्थ सूत्रों ने बताया कि उनका यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर तय किया गया है।दोनों शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह अमेरिका रवाना हो सकते हैं। वे ऐसे समय में वहां जा रहे हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मौकों पर भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों जारी संघर्ष को रोकने में मध्यस्थता का दावा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा था कि संघर्ष विराम के लिए उन्होंने दोनों पक्षों से लंबी बातचीत की थी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को खारिज करते हुए भारत कह चुका है कि संघर्ष विराम के लिए खुद पाकिस्तान ने गुहार लगाई थी जो ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना की कार्रवाई से छटपटा रहा था। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर

ने भी इस सप्ताह एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत के सैन्य ऑपरेशन के दौरान 7 मई से 10 मई के बीच अमेरिका समेत कई देशों ने भारत से संपर्क कर तनाव न बढ़ने देने की अपील की थी। नीदरलैंड की मीडिया आउटलेट एनओएस के साथ साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि हमले और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत का नतीजा थी, जिसके लिए दुश्मन देश (पाकिस्तान) ने पहले पहल की थी।

उन्होंने कहा था कि सैन्य संघर्ष के दौरान दूसरे देशों द्वारा संचार चैनल स्थापित करना स्वाभाविक है। विदेश मंत्री ने कहा था, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मुझसे बात की जबकि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। ट्रंप ने यह भी दावा किया था कि भारत ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते का भी प्रस्ताव रखा है जिसमें 'मूलतः' कई अमेरिकी वस्तुओं पर 'शून्य टैरिफ' की बात कही गई है। उन्होंने कतर की राजधानी दोहा में कहा था, 'उन्होंने हमारे समक्ष एक डील की पेशकश की है जिसमें मूलतः वे हम पर शून्य टैरिफ लगाने की इच्छा जता रहे हैं। इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में आठ सदस्यीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने भी अमेरिका और कैरेबियाई देशों की अपनी यात्रा शुरू की।

साइबर ठगी करने वाले शातिरों को पुलिस ने दबोचा, खुले चौंकाने वाले राज

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के साइबर पुलिस स्टेशन साउथ वेस्ट की टीम ने सोमवार को तीन कुख्यात ठगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल वर्मा (रायपुर, छत्तीसगढ़), शांतनु रिचोरिया (झांसी, यूपी) और अर्जुन सिंह (सहारनपुर, यूपी, उम्र 25 वर्ष) के रूप में हुई है। इनके पास से पुलिस ने तीन स्मार्टफोन, चार सिम कार्ड, चार बैंक पासबुक और तीन चेकबुक बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली के राज नगर पालम कॉलोनी निवासी महेंद्र जैन ने साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज की थी कि उन्हें व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए ठगा गया। 21 मार्च को एक कॉलर, जो खुद को नासिक पुलिस की क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर संजय बता रहा था, ने जैन को बताया कि उनके आधार कार्ड का दुरुपयोग कैनरा बैंक में फर्जी डेबिट/क्रेडिट कार्ड बनाने में हुआ है। कॉलर ने एक फर्जी कार्ड की तस्वीर दिखाकर दावा किया कि यह एक बड़ी एयरलाइन कंपनी के मालिक द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल हो रहा है। डराने-धमकाने के बाद जैन ने अपनी बचत, सावधि जमा और पत्नी के गहने बेचकर पेटीएम और आरटीजीएस के जरिए 25 लाख रुपये ठगों को ट्रांसफर कर दिए। शिकायत के बाद साइबर पुलिस ने 10 अप्रैल को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में एसआई चेतन राणा, एचसी मनेंद्र और एचसी विजयपाल की टीम गठित की गई। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी और एसीपी विजय कुमार के मार्गदर्शन में टीम ने तकनीकी निगरानी, डिजिटल फुटप्रिंट और मनी ट्रेल का विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि ठग दिल्ली के होटलों से फर्जी व्हाट्सएप नंबरों के जरिए अपराध को अंजाम दे रहे थे। वे पूरे देश से खच्चर खातों (धोखेबाजी के लिए प्रयोग किए जाने वाले अकाउंट) का इस्तेमाल करते थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि राहुल वर्मा ने पहले अपना बैंक खाता ठगों को दिया, फिर मुनाफा देखकर खुद इस गोरखधंधे में शामिल हो गया। वह खातों को किराए पर देने और खच्चर खाताधारकों को होटलों में लाने का काम करता था।

संपादक की कलम से

अब कोई रोक नहीं सकता-भारत चल पड़ा है

भारत आज वैश्विक मंच पर एक ऐसी शक्ति के रूप में उभर रहा है, जो अपनी आर्थिक प्रगति, नीतिगत मजबूती और नेतृत्व की दूरदर्शिता से दुनिया को चकित कर रहा है। जापान जैसे विकसित देश को पीछे छोड़कर भारत ने दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का खिताब हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की उस अथक मेहनत और विजन का परिणाम है, जिसने देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। भारत की यह प्रगति केवल आंकड़ों की जीत नहीं है, बल्कि यह उस नेतृत्व की कहानी है, जो हर भारतीय के लिए गर्व का विषय बन चुकी है। जापान को पीछे छोड़ना भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की नाममात्र जीडीपी 2025 में 4.187 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जबकि जापान की जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर रही। यह अंतर भले ही मामूली लगे, लेकिन इसके पीछे की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। विश्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था ने 2014 से 2025 के बीच औसतन 6-7% की वार्षिक वृद्धि दर हासिल की है, जो मोदी सरकार की नीतियों का परिणाम है। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं ने भारत को एक ऐसा माहौल दिया, जहां नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा मिला। भारत अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जो वैश्विक दिग्गजों को चुनौती दे रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत 2028 तक जापान को पूरी तरह से पीछे छोड़ देगा। आईएमएफ के प्रक्षेपण के अनुसार, भारत की जीडीपी 2028 तक 5.9 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है, जबकि जापान की वृद्धि दर धीमी होने की संभावना है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी नीतियों ने भारत को एक ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया है, जहां बड़े-बड़े देश भारत के साथ सहयोग करने को आतुर हैं। भारत 2025 के अंत तक अपने जनसंख्यात्मक लाभांश का उपयोग करेगा, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था और तेजी से बढ़ेगी। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 65% से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, और यह युवा शक्ति भारत की प्रगति का आधार बन रही है। स्किल इंडिया मिशन और नई शिक्षा नीति जैसे कदम इस बात का प्रमाण हैं कि मोदी सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने भारत को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाया है। विश्व बैंक की "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" रैंकिंग में भारत ने 2014 में 142वें स्थान से 2024 में 50वें स्थान तक की छलांग लगाई है।

भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) 2024 में 83 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो 2014 के 36 बिलियन डॉलर से दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण सरकार की स्थिर नीतियां और पारदर्शी शासन हैं। नरेंद्र मोदी ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, लेकिन इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसकी भागीदारी भी बढ़ानी है। भारत में बुनियादी ढांचे का विकास, डिजिटल तकनीक का विस्तार और कारोबारी माहौल को आसान बनाने के लिए किए गए प्रयासों ने भारत को एक ऐसी अर्थव्यवस्था बनाया है, जो न केवल अपनी जरूरतों को पूरा कर रही है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है।

भारत की यह प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं है। इसका असर आम लोगों की जिंदगी पर भी पड़ रहा है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत की प्रति व्यक्ति आय 2014 में 1,560 डॉलर से बढ़कर 2025 में 2,900 डॉलर तक पहुंच गई है। यह सुधार इस बात का संकेत है कि आर्थिक विकास का लाभ समाज के निचले तबके तक पहुंच रहा है। मोदी सरकार ने हमेशा समावेशी विकास पर ध्यान दिया है। जन धन योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, आयुष्मान भारत योजना से 60 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली, और उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए। ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार का फोकस केवल बड़े आंकड़ों पर नहीं, बल्कि आम आदमी की जिंदगी को बेहतर बनाने पर भी है। हालांकि, भारत को अभी कई चुनौतियों का सामना करना है। बेरोजगारी दर 2024 में 7.1% रही, और शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अभी और सुधार की जरूरत है। लेकिन यह भी सच है कि मोदी सरकार ने इन क्षेत्रों में भी काम शुरू कर दिया है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत स्कूली शिक्षा में व्यापक बदलाव किए गए हैं, और स्वास्थ्य बजट 2014 के मुकाबले 2025 में तीन गुना बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। नरेंद्र मोदी का नेतृत्व इस बात का प्रतीक है कि भारत न केवल अपनी कमजोरियों को पहचानता है, बल्कि उनसे निपटने के लिए ठोस कदम भी उठा रहा है।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

- ललित गर्ग -

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन ह्यहर हाथ को कामह्न का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्न का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दशार्ता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है। सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है। मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है।

आर्थिक समृद्धि का दौर शुरू हुआ है तो इसके बाधक तत्वों पर विचार करना ज्यादा जरूरी है।

अहिल्याबाई की न्याय व्यवस्था से लेनी चाहिए सीख

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का मतलब कठिन संघर्ष, धैर्यशीलता, संयम, धर्मपरायणता, वीरता , बुद्धिमत्ता, प्रशासन, कुशलता ,ओजस्विता, प्रजा वत्सलता, न्याय प्रियता, कुशल नेतृत्व की अद्भुत क्षमता से परिपूर्ण। साथ ही दानशीलता, त्याग, तपस्या, अत्यंत सहजता सरलता के साथ सिद्धांतों के लिए अत्यंत कठोरता और सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण। इन सब गुणों को मूर्तमान किया जाय तो वह थीं होलकर साम्राज्य की बहू जिन्हे आदर के साथ भारतीय जनमानस लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर। उन्होंने जहां शासन करते समय किसी के सामने घुटने नहीं टेके, वहीं मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए देश भर के सभी धार्मिर्क स्थलों का पुनर्निमाण कराकर भारतीय सनातन संस्कृति की रक्षा की। आज जब सार्वजनिक जीवन, प्रशासन, न्याय व्यवस्था से लेकर धर्म भी व्यापार बनता जा रहा है तो राष्ट्र हित लोकहित व जनहित में यह नितांत आवश्यक है कि राजनेता व प्रसशानिक अफसरों समेत सभी को लोकमता देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन से कुछ सीख लेनी चाहिए। 31मई को लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर के धरती पर अवतरण हुए 300 वर्ष पूरे हो रहे हैं। वर्तमान में महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट बीड़ तहसील के चौड़ी गांव के माणकोजी की धर्मपत्नी सुशीलबाई ने 31 मई 1725 को जिस सुकन्या को जन्म दिया, उसके पूज्यनीय वंदनीय धर्मपरायण प्रजावत्सल अत्यंत तेजस्वी ओजस्वी प्रेरक व्यक्तित्व को जनमानस देवी माँ अहिल्याबाई के रूप में भारतीय मनीषा के स्मृति पटल पर देदीप्यमान है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई इतिहास के पन्नो को अमिट स्वर्णाक्षर तो हैं ही साथ ही भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए भारत की सनातन संस्कृति और यहां की धर्म परायण जनता जनार्दन सदैव ऋणी रहेगी । धर्मपरायण माता पिता के संस्कार महारानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन का आधार बना। उनको लोकमाता देवी अहिल्याबाई का नाम भारत की धर्मपरायण जनता के मन में उनके कृतित्व व व्यक्तित्व के सम्मान और उनके प्रति असीम श्रद्धा व प्रेम की भाव अभिव्यक्ति है। समूचे भारतीय इतिहास में पौराणिक कथाओं में वर्णित महापुरुषों से लेकर वर्तमान के कालखंड तक उन्हें ही पूज्यनीय, वंदनीय व प्रेरक माना जाता है, जिन्होंने लोककल्याण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। भारतीय संस्कृति व राष्ट्र ने उन्ही का यशोगान किया, जिसने देश समाज व लोकहित में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया । लोकमाता देवी महारानी अहिल्या बाई होलकर का पूरा जीवन संघर्ष और त्याग का दस्तावेज है। सन 1733 में मल्हार राव होलकर के बेटे खंडेकर राव होलकर के साथ शादी होने के बाद से ही उन्हें अनेक विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। वह अपने पति खंडेराव होलकर के साथ कुछ समय ही वैवाहिक जीवन जी पाई थीं। तभी सन 1754 में भरतपुर के डींग में हुए युद्ध के दौरान खंडेराव होलकर वीरगति को प्राप्त हो गए। इससे अहिल्याबाई काफी हिल गईं।उन्होंने उस समय की प्रथा के मुताबिक पति की चिता पर सती होन का फैसला कर लिया था। लेकिन श्वसुर महाराजा मल्हार राव होलकर के काफी समझाने के कारण सती होने के निर्णय को त्याग दिया। सन 1761 में पानीपत के युद्ध में मराठों की हार और मई 1766 को आलमपुर में श्वसुर की मृत्यु के बाद होलकर साम्राज्य को सम्हालने के लिए पुत्र मालेराव का 23 अगस्त 1766 में राजतिलक किया गया। लेकिन 23 वर्ष की अल्प आयु में इकलौते पुत्र का निधन हो गया। इसके बाद दामाद यशवंतराव फड़से भी हैजे के प्रकोप के चलते तीन नवम्बर 1791 दिवगंत हो गए। बेटी मुक्ताबाई पति की चिता पर ही सती हो गईं। इस तरह महारानी अहिल्याबाई होलकर पर एक के बाद एक दुखों के पहाड़ टूटते रहे। लेकिन इन हृदयविदारक घटनाओं में जिस धैर्य विवेक और साहस के साथ लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने कर्तव्य निभाया और प्रजापालन किया, वह अपने आप में महान से भी महान कार्य रहा। होलकर परिवार की विशेषता रही की व्यक्तिगत खर्चे के लिए कभी ,केदारनाथ धाम से लेकर दक्षिण में रामेश्वरम पूर्व में जगन्नाथ पुरी से लेकर पश्चिम में द्वारका सोमनाथ मंदिर समेत ऐसा कोई तीर्थस्थल नहीं रहा।

बुकर की रोशनी में नहाया 'हॉर्ट लैंम्प'

साहित्य सिर्फ कोरी कल्पना या फंतासी नहीं। साहित्य जीवन का यथार्थ है और हर स्वांस में रचा बसा है। कन्नड़ लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता बानू मुश्ताक की अंग्रेजी में अनुदित कृति हॉर्ट लैंम्प को बुकर पुरस्कार से नवाजा गया है। यह भारत की भाषायी साहित्य के लिए यह बेहद गर्व और गौरव का विषय है। इससे यह साबित होता है कि लेखन किसी धर्म, भाषा, जाति और सीमा में बधा नहीं है। आम तौर पर सर्वहारा वर्ग की पीड़ा एक जैसी होती हैं, उनकी जाति या धर्म कुछ भी हो। यह पुरस्कार भारतीय भाषाओं के लिए एक संजीवनी है। बुकर पुरस्कार भाषा के नाम पर लड़ने वाले एक सभ्य समाज के लिए साफ संदेश है। अगर भाषा का विभेद होता तो दीपा भस्थी की तरफ से कन्नड़ से अनुदित बानू मुश्ताक की सिर्फ बारह लघुकथाओं के संकलन हॉर्ट लैम्प को बुकर पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया जाता। भाषा और साहित्य सीमा से बहुत दूर है। अब तक यह अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार छह भारतीय लेखकों को मिल चुका है। इसके लिए बानू मुश्ताक के साथ दीपा भी बधाई की पात्र हैं। क्योंकि यह उनकी पहली अनुदित कृति है जिसे यह सम्मान मिला है। बानू मुश्ताक दक्षिण भारतीय लेखिका हैं। बानू मूलरुप से कन्नड़ भाषा में अपना लेखन करती हैं। बानू को जो बुकर पुरस्कार मिला है वह कन्नड़ में लिखी उनकी लघुकथा संग्रह से चुनी कुछ लघुकथाओं के अंग्रेजी अनुवाद पर दिया गया है। उन्होंने कुल छह लघुकथा संग्रह, एक उपन्यास, एक निबंध और एक कविता संग्रह लिखा है। उनकी रचनाओं का अनुवाद हिंदी, तमिल, मलयालम और उर्दू में किया गया है। उन्हें इसके अलावा और भी साहित्य पुरस्कार मिले हैं। साहित्य में सबसे अहम सवाल है कि आप कितना लिख रहे हैं यह मायने नहीं रखता है। वजूद इस बात का है कि आप

क्या लिख रहे हैं। लिखा तो बहुत कुछ जा रहा है या बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन सबको बुकर नहीं मिला। बुकर को ध्यान में रखकर लिखना भी संभव नहीं है। क्योंकि साहित्य कोई तकनीक नहीं एक जीवंत कला है जो बगैर जीवन के जीवंत नहीं होती। बानू लंकेश पत्रिका से भी जुड़ी थीं और बेंगलुरु आल इण्डिया रेडियो में भी काम किया।

बानू मुश्ताक (77) की स्कूली शिक्षा की शुरूवात भी कठिन चुनौतियों से हुई यही उनके लेखकीय जीवन की चुनौती बनी। उनका जन्म 1948 में कर्नाटक के मुस्लिम परिवार में हुआ था।

शिवमोगा के कन्नड़ मिशनरी स्कूल में पिता के काफी प्रयास के बाद उनका दाखिला भी आठ साल की उम्र में इस शर्त पर हुआ था कि उन्हें छह माह में कन्नौड़ को लिखना पढ़ना आना चाहिए, नहीं तो स्कूल छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि बानू एक मुस्लिम परिवार से रहीं जहाँ स्कूल की शर्त उनके लिए एक चुनौती थीं, लेकिन उन्होंने कर दिखाया। मुश्ताक ने 1980 में मुस्लिम समाज में कट्टरता को कम करने के लिए काम किया। उन्होंने मस्जिदों में भी मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश की वकालत किया जिसकी वजह से उनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार भी हुआ। उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिली। हलांकि उन्होंने स्कूलों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने का समर्थन किया था, जिसका विवाद कर्नाटक के शिक्षा संस्थानों में आज भी मुद्दा है। बानू मुश्ताक ने मुस्लिम समाज में औरतों और दूसरी समस्याओं को बड़ी गहराई से परखा। ऐसी समस्याओं ने उन्हें प्रभावित किया जिसे उन्होंने कहानी या लघुकथा का आधारा बनाया। लिखने का शौक उन्हें बचपन से था, उनकी पहली कहानी 26 साल की उम्र में प्रजामाता में प्रकाशित हुई इसके बाद लेखन की दुनिया में उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जिस हॉर्ट लैम्प के लिए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिला है उसमें 1990 से 2023 तक की लघुकथाएं हैं जिनमें मुस्लिम समाज की महिलाओं का संघर्ष दिखाया गया है। अनुवादक दीपा भस्थी भी पहली भारतीय हैं जिन्हें यह सम्मान मिला है।

मुश्ताक कहानियों का अनुवाद साल 2022 में पहली बार दीपा भस्थी ने अंग्रेजी में किया। जिसमें उन्होंने हॉर्ट लैंप नाम से कन्नड़ से कुछ चुनी हुई कहानियों का अंग्रेजी में अनुवाद किया जिन्हें बुकर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार में 50 हजार पाउंड की राशि लेखक को मिलती है। जिसमें आधी राशि अंग्रेजी अनुवादक के हिस्से में जाती है। क्योंकि बुकर पुरस्कार सिर्फ अंग्रेजी कृति या उस भाषा में अनुदित संग्रह को ही मिलता है। इसका मकसद साफ है कि अच्छा साहित्य सभी तक पहुंचना चाहिए। क्योंकि कि साहित्य की कोई सीमा नहीं होती है। भारतीय रुपए में इस पुरस्कार की कीमत 52.95 लाख होती है। मुश्ताक पहली कन्नड़ लेखिका हैं जिन्हें बुकर पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया। यह अनुवादक दीपा भस्थी के लिए भी गर्व का विषय है। बुकर पुरस्कार के निर्णायक मण्डल के अध्यक्ष मैक्स पोर्टर कहानियों की सराहना किया। उन्होंने कहा है कि हलांकि मुश्ताक की कहानियां स्त्रीवादी विचारधारा की पोषक हैं। पितृसतात्मक व्यवस्था का मुखर विरोध और प्रतिरोध है। लेकिन सबसे अहम बात है कि इसमें स्त्री के दैनिक जीवन के संघर्ष को बेहद उम्दा तरीके से प्रदर्शित किया गया है। यह अपने आपमें सबसे अलग है।

अब तक छह पूर्व भारतीय लेखकों को उनकी कृति के लिए अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिल चुका है। जिसमें वीएस नायपॉल, सलमान राश्दी, अरूँधती राय, किरण देशाई, अरविंद अडिगा और गीतांजली श्री को हिंदी उपन्यास के लिए 2022 में यह पुरस्कार मिला था। जबकि सबसे पहले 1971 में नायपॉल को मिला मिला था। बुकर की होड़ में पांच किताबें शामिल थीं जिसमें सोलेज की ऑन द कलकुलेशन ऑफ वैल्यूज, स्मॉल बोट की विसेंट डेलिक्रोइस्क, हीरोमी कावाकामी की अंडर द आई ऑफ द बिग बर्ड, डिसेंजो लैट्रिनिको की परफेक्शन और ऐरी सेरे की ए लैपर्ड स्किन हैट शामिल थीं। ऐसी स्थित में कन्नड़ से अंग्रेजी में अनुदित हॉर्ट लैम्प को बुकर मिलना गर्व की बात है।

बुकर पुरस्कार की स्थापना 1969 में इंग्लैंड की मैकोनल कम्पनी ने की थीं।

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्यवाही की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्यवाही की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है।

भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ।। अर्थातः जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है।

भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं। लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दी। आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया।

हमास के खिलाफ लड़ाई 'कोई अंतहीन युद्ध नहीं' :इजराइली सेना प्रमुख

तेल अवीव/गाजा। इजराइली सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने कहा कि गाजा में चल रहा सैन्य अभियान एक अनंत युद्ध नहीं है और इसे निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के अनुसार यथाशीघ्र समाप्त करने की कोशिश की जाएगी।गाजा के एक दौरे के दौरान जमीर ने कहा, हम अपने सुनियोजित अभियान के अनुसार गतिविधियों को तेज कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हमास अब भारी दबाव में है और अपने अधिकांश संसाधन, कमांड और नियंत्रण खो चुका है। जनरल जमीर ने आगे कहा, हम अपने कब्जे में उपलब्ध हर संसाधन का उपयोग कर बंधकों को वापस लाने, हमास को नष्ट करने और उसके शासन को समाप्त करने का कार्य कर रहे हैं। सेना प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय युद्ध समाप्त करने और मानवीय राहत सुनिश्चित करने के लिए इजराइल पर दबाव बना रहा है। हालांकि इजराइल सरकार और सैन्य नेतृत्व अब भी हमास के पूर्ण विघटन को अपनी प्राथमिकता बता रहा है।उल्लेखनीय है कि इजराइल द्वारा गाजा में चलाया जा रहा यह सैन्य अभियान 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के बाद शुरू हुआ था, जिसमें लगभग 1,200 इजराइली नागरिक मारे गए थे और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था।

सेंट जॉन लेटरन में पोप लियो चौदहवें ने संभाली रोम के धर्माध्यक्ष की जिम्मेदारी

रोम। कैथोलिक चर्च के इतिहास में पहले अमेरिकी पोप लियो चौदहवें ने रोम के धर्माध्यक्ष (बिशप ऑफ रोम) के रूप में अपनी औपचारिक पदग्रहण प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए ऐतिहासिक सेंट जॉन लेटरन बेसिलिका में जनसमूह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने भावनात्मक रूप से घोषणा की कि आज से मैं आपके साथ और आपके लिए एक रोमन हूं।

ऐतिहासिक मंच पर नई शुरुआत

सेंट जॉन लेटरन रोम का कैथेड्रल है और आधिकारिक रूप से पोप के बिशप होने का प्रतीक स्थल है। यहां सायंकालीन मिस्सा के दौरान पोप लियो ने रोम के पादरियों और विश्वासियों के समक्ष अपने नए उत्तरदायित्व को समर्पित भावना से निभाने की बात कही। उन्होंने कहा, ÷मैं आप सबकी सुनना चाहता हूं ताकि सीख सकूं, समझ सकूं और निर्णय ले सकूं... वह भी आपके साथ मिलकर।' मूल रूप से अमेरिकी और ऑगस्टीन समुदाय के सदस्य पोप लियो ने संत ऑगस्टीन के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा, आपके साथ मैं एक ईसाई हूं, और आपके लिए एक धर्माध्यक्ष। उन्होंने आगे जोड़ते हुए कहा कि आज विशेष रूप से मैं यह कह सकता हूं कि आपके साथ और आपके लिए मैं एक रोमन हूं।

मिसाइल हमलों के बीच रूस और यूक्रेन ने किया कैदियों का बड़ा आदान-प्रदान, 303-303 सैनिक लौटे घर

कीव/मॉस्को। रूस और यूक्रेन ने तीसरे और अंतिम चरण में सैकड़ों कैदियों का आदान-प्रदान किया। इस अदला-बदली के कुछ ही घंटे पहले रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा मिसाइल और ड्रोन हमला किया, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 25 से अधिक घायल हुए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि दोनों देशों ने 303-303 सैनिकों को रिहा किया, जो हुई 307 और 390 कैदियों की अदला-बदली के बाद इस आदान-प्रदान श्रृंखला का अंतिम भाग था। यह युद्ध शुरू होने के बाद का अब तक का सबसे बड़ा कैदी विनिमय है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि, '303 यूक्रेनी रक्षक अपने घर लौट आए हैं।' उन्होंने बताया कि इन सैनिकों में सशस्त्र बल, राष्ट्रीय गार्ड, सीमा सुरक्षा सेवा और विशेष परिवहन सेवा के सदस्य शामिल हैं। इसी महीने इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता में दोनों पक्षों ने 1,000-1,000 युद्धबंदियों और नागरिकों के आदान-प्रदान पर सहमति दी थी। यह कैदी-विनिमय उस वार्ता की एकमात्र ठोस उपलब्धि के रूप में सामने आया है।

गाजा पर इजराइल के हवाई हमले में 38 लोगों की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा में बीते 24 घंटों में इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 38 लोगों की जान गई है, जिनमें एक महिला और उसके दो बच्चे भी शामिल हैं जो एक अस्थायी शिविर में शरण लिए हुए थे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। उत्तरी गाजा के अस्पतालों तक पहुंच अवरुद्ध होने के कारण दो दिनों से वहां के हताहतों का आंकड़ा उपलब्ध नहीं हो सका है। देर अल-बलाह और उत्तर में जबालिया क्षेत्रों में हुए ताजा हमलों में भी लोगों की जान गई। इन हमलों में एक ही परिवार के कई सदस्य मारे गए हैं। इजराइल का कहना है कि वह नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने का प्रयास करता है और हमास को नागरिक इलाकों में छिपकर हमले करने का दोषी ठहराता है। गंभीर चिंता की बात यह है कि इज़राइल गाजा पर पूर्ण नियंत्रण और वहां की आबादी के स्वैच्छिक प्रवासन की योजना बना रहा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय और फिलिस्तीनी प्रतिनिधियों ने खारिज कर दिया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मार्च से अब तक इजराइली हमलों में 3,785 लोग मारे जा चुके हैं।

ट्रंप ने पुतिन को बताया 'पागल', जेलेंस्की पर भी उठाए सवाल

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि अगर वह उस समय पद पर होते तो दोनों देशों के बीच चल रहा युद्ध कभी नहीं छिड़ता। ट्रंप की यह टिप्पणी रूस के बड़े हवाई हमले के बाद आई है। इस हमले में यूक्रेन के कई नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें बच्चे भी शामिल थे। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने पुतिन को 'पागल' करार दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके एक समय पुतिन के साथ अच्छे संबंध थे। ट्रंप ने लिखा, 'मेरे और व्लादिमीर पुतिन के बीच हमेशा बहुत अच्छे रिश्ते रहे हैं, लेकिन उनको कुछ हो गया है। वह पूरी तरह पागल हो गए हैं। वह बेवजह कई लोगों को मार रहे हैं और मैं सिर्फ सैनिकों की बात नहीं कर रहा। मिसाइलें और ड्रोन यूक्रेन

के शहरों में बिना किसी कारण के दागे जा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि वे यूक्रेन का पूरा हिस्सा चाहते हैं। सिर्फ उसका एक टुकड़ा नहीं और शायद यह सही साबित हो रहा है, लेकिन अगर वे ऐसा करते हैं, तो इससे रूस का पतन हो जाएगा।' ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पर भी सवाल उठाए। जेलेंस्की ने हाल ही में कहा था कि 'अमेरिका की चुप्पी' ने पुतिन को और प्रोत्साहित किया है। ट्रंप ने जेलेंस्की की बयानबाजी की आलोचना करते हुए कहा,'जेलेंस्की अपने देश का भला नहीं कर रहे। उनके मुंह से निकलने वाली हर बात समस्याएं पैदा करती हैं। मुझे यह पसंद नहीं और इसे बंद करना होगा। अगर मैं राष्ट्रपति होता तो यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता।'अमेरिकी राष्ट्रपति तक रूस के हवाई हमले पर चुप रहे, जब उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए इस मामले पर टिप्पणी की। पुतिन के बारे में ट्रंप ने कहा, 'वह बहुत सारे लोगों को मार रहे हैं। मुझे नहीं पता उनके साथ क्या गलत है। उनके साथ आखिर हुआ क्या है? वह बहुत सारे लोगों को मार रहे हैं। मैं इससे खुश नहीं हूं।' ट्रंप ने संघर्ष से खुद को दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने दोहराया कि इसके लिए जेलेंस्की, पुतिन और उनके पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडन जिम्मेदार हैं। ट्रंप ने कहा, 'यह जेलेंस्की, पुतिन और बाइडन का युद्ध है, न कि 'ट्रंप का।' मैं केवल उन बड़ी और भयानक आग को बुझाने में मदद कर रहा हूं, जो घोर अक्षमता और नफरत के कारण शुरू हुई हैं।' रूस के घातक हमले तब हुए, जब दोनों युद्धरत देशों ने फरवरी 2022 में शुरू हुए पूर्ण पैमाने के आक्रमण के बाद कैदियों की बड़ी तादाद में अदला-बदली की।

हाफिज अब्दुल करीम मरकजी जमीयत अहले हदीस पाकिस्तान के अमीर निर्वाचित

एजेंसी

लाहौर। हाफिज अब्दुल करीम को मरकजी जमीयत अहले हदीस पाकिस्तान का अमीर चुन लिया गया। हाफिज करीम के खिलाफ किसी उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा। चुनाव बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अब्दुल गफूर राशिद ने उन्हें निर्विरोध अमीर निर्वाचित घोषित किया। दुनिया न्यूज की खबर के अनुसार, चुनाव बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अब्दुल गफूर राशिद ने कहा कि हाफिज अब्दुल करीम को मरकजी जमीयत अहले हदीस पाकिस्तान का निर्विरोध अमीर चुन लिया गया। जमीयत अहल-ए-हदीस पाकिस्तान के पूर्व प्रमुख सीनेटर प्रोफेसर साजिद मीर का लंबी बीमारी के बाद तीन मई को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। इस बीच, जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान के उप अमीर लियाकत बलूच ने सीनेटर हाफिज अब्दुल करीम को मरकजी जमीयत अहले हदीस का अध्यक्ष चुने जाने पर फोन पर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि मरकजी जमीयत

अहले हदीस पाकिस्तान एक धार्मिक संगठन और राजनीतिक दल है। मौलाना दाऊद गजनवी और मोहम्मद इब्राहिम मीर सियालकोटी ने इसकी स्थापना 1947 में की थी। एहसान इलाही जहीर ने 1986 में इसे राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित किया। यह अहल-ए हदीस के अनुयायियों का समूह है। यह समूह हदीस के कथनों और कार्यों को महत्व देता है।

तेल अवीव में अमेरिकी दूतावास पर बम विस्फोट करने की कोशिश में युवक गिरफ्तार

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राज्य अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के विशेष एजेंटों ने न्यूयॉर्क शहर के जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डे पर एक युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर 19 मई को इजराइल के तेल अवीव में अमेरिकी दूतावास की शाखा में कथित तौर पर बम विस्फोट करने की कोशिश करने और राष्ट्रपति ट्रंप को धमकी देने का आरोप है। सीबीएस न्यूज के अनुसार, संघीय अभियोजकों ने बताया कि आरोपित युवक जोसेफ न्यूमेयर को जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया। 28 वर्षीय न्यूमेयर के पास अमेरिकी और जर्मन नागरिकता है। उसे इजराइल से निर्वासित किए जाने के बाद एफबीआई के विशेष एजेंटों ने दबोचा। अभियोजकों के अनुसार, न्यूमेयर अप्रैल में इजराइल पहुंचा। 19 मई को वह एक बैग लेकर तेल अवीव में अमेरिकी दूतावास पहुंचा। बिना किसी उकसावे के न्यूमेयर ने कथित तौर पर दूतावास के एक गार्ड पर थूक दिया और जब गार्ड ने उसे हिरासत में लेने का प्रयास किया तो वह भागने में सफल रहा।

झगड़े के बाद उसने अपना बैग दूतावास के बाहर छोड़ दिया। बैग की तलाशी लेने पर उसके अंदर तीन मोलोटोव कॉकटेल (आग लगाने और विस्फोट करने वाले उपकरण) मिले। इजराइल के कानून प्रवर्तन ने उसे उसके होटल में ट्रैक किया और वहां उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इजराइल के जांच अधिकारियों ने उससे पूछताछ की तो उसने सबकुछ उगल दिया। जांच अधिकारियों के अनुसार, दूतावास जाने से पहले न्यूमेयर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि तेल अवीव में दूतावास को जलाने में मेरे साथ शामिल हो जाओ। अधिकारियों ने कहा कि न्यूमेयर ने राष्ट्रपति ट्रंप को निशाना बनाते हुए सोशल मीडिया पर धमकी भरे संदेश भी पोस्ट किए।

इजराइल ने न्यूमेयर को अपने यहां से निर्वासित कर दिया। उसे न्यूयॉर्क पहुंचते ही एफबीआई ने दबोच लिया। संघीय अभियोजकों के अनुसार, अगर वह दोषी पाया जाता है, तो उसे 20 साल तक की जेल हो सकती है। अटॉर्नी जनरल पामेला बॉन्डी ने कहा कि इस अभियुक्त पर कानून की पूरी सीमा तक मुकदमा चलाया जाएगा। एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने कहा कि न्यूमेयर की कथित हरकतें घृणित और हिंसक हैं। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, न्यूमेयर मूल रूप से कोलोराडो का रहने वाला है।

ट्रंप ने यूरोपीय संघ पर 50 फीसद टैरिफ को 9 जुलाई तक टाला

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ पर अपने हालिया प्रस्तावित टैरिफ को फिलहाल टाल दिया है। ट्रंप ने कहा कि वे यूरोपीय संघ पर 50 फीसद टैरिफ की समय सीमा को 9 जुलाई तक बढ़ाने पर सहमत हैं। न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे आज यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का फोन आया। उन्होंने व्यापार और यूरोपीय संघ के संबंध में 50 फीसद टैरिफ की 1 जून की समयसीमा को बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, मैं इसे बढ़ाने पर सहमत हूं। 9 जुलाई को ऐसा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी। ट्रंप की यह पोस्ट वॉन डेर लेयेन के यह कहने के बाद आई कि उनकी अच्छी बातचीत हुई, लेकिन इसके लिए उन्हें 9 जुलाई तक का समय चाहिए। लेयेन ने एक्स पर लिखा, यूरोपीय संघ और अमेरिका दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण और घनिष्ठ व्यापार संबंध साझा करते हैं। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप बातचीत को तेजी से और निर्णायक

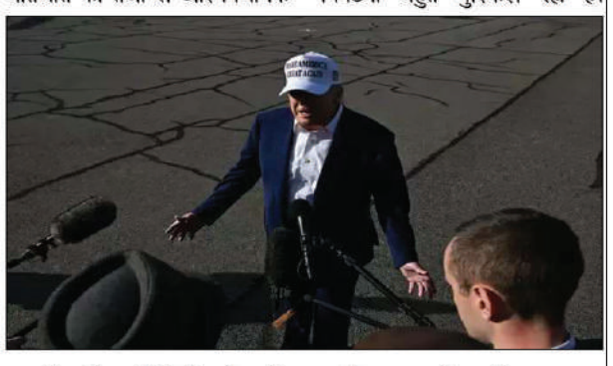

रूप से आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। ट्रंप ने अपने व्यापक पारस्परिक टैरिफ के हिस्से के रूप में यूरोपीय संघ पर 20 फीसद टैरिफ लगाया। इससे पहले 9 अप्रैल को 90 दिनों के लिए इसे घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया। ट्रंप ने पिछले सप्ताह 1 जून से यूरोपीय संघ पर सीधे 50 फीसद टैरिफ लगाने का सुझाव दिया। ट्रंप ने कहा कि 27 देशों के इस समूह से निपटना बहुत मुश्किल रहा है। इसलिए 50 फीसद किया जाएगा। व्हाइट हाउस में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, मैंने बस इतना कहा, अब समय आ गया है कि हम खेल को उसी तरह खेलें जिस तरह से खेल में मजा आए।

बांग्लादेश में संसदीय चुनाव दिसंबर से जून के मध्य में, पार्टियां सहमत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के देश में दिसंबर से अगले साल जून के मध्य तक संसदीय चुनाव कराने की तैयारियों पर राजनीतिक दलों ने सहमति प्रदान कर दी है। अंतरिम सरकार के प्रमुख और मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने रविवार रात यह जानकारी पत्रकारों को दी। बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में रात को बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजनीतिक दलों ने सुधारों समेत अंतरिम सरकार के उठाए गए कदमों के प्रति अपना समर्थन जताया है। मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस ने लगातार दूसरे दिन 20 राजनीतिक दलों के

नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि मुख्य सलाहकार ने राजनीतिक दलों के साथ चुनाव और सुधारों की प्रगति समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। आलम ने बताया कि मुख्य सलाहकार ने राजनीतिक दलों को सूचित किया है कि चुनाव इस साल दिसंबर से अगले साल जून के बीच होंगे। प्रो. यूनुस ने आश्वासन दिया कि अगले साल 30 जून तक चुनाव करा लिए जाएंगे और राजनीतिक नेताओं ने इस पर अपनी संतुष्टि जताई है। प्रेस सचिव ने कहा कि मुख्य सलाहकार ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक में कहा,हम एक बड़े युद्ध जैसी स्थिति में हैं।

अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, हमें विभिन्न तरीकों से अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। हमें इस स्थिति से बाहर निकलना होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के बारे में प्रोफेसर यूनुस ने राजनीतिक नेताओं से कहा,अगर मैं निष्पक्ष चुनाव नहीं करा पाया तो मुझे अपराधबोध होगा मुख्य सलाहकार के उप प्रेस सचिव अबुल कलाम आजाद मजूमदार और अपूर्वा जहांगीर भी संवाददाता सम्मेलन में मौजूद रहे।

अमेरिका के साउथ कैरोलिना में गोलीबारी, 11 लोग घायल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के साउथ कैरोलिना राज्य के एक तटीय शहर में हुई गोलीबारी में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। यह गोलीबारी लिटिल रिवर शहर में रात करीब 10 बजे से पहले पुलिस मेमोरियल डे वीकेंड के मौके पर हुई। साउथ कैरोलीना राज्य के उत्तर में नॉर्थ कैरोलीना, दक्षिण और पश्चिम में जॉर्जिया और पूर्व में अटलांटिक महासागर है। एनबीसी न्यूज के अनुसार होरी काउंटी पुलिस विभाग ने बयान में कहा कि लिटिल रिवर के समुदाय में गोलीबारी के बाद और पीड़ितों को निजी वाहनों से अस्पतालों में ले जाया गया। घायलों की स्थिति कैसी है, यह फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने समुदाय के सदस्यों को गोलीबारी स्थल के आसपास से दूर रहने की सलाह दी है। मर्टल बीच पुलिस ने एक अलग बयान में कहा कि गोलीबारी की आवाज सुनकर पहुंचे नॉर्थ मर्टल बीच के एक पुलिस अधिकारी की बंदूक गलती से चल गई। अधिकारी के पैर में गोली लगी है। उन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया है। लिटिल रिवर साउथ कैरोलिना तट के ग्रैंड स्ट्रैंड और उत्तरी कैरोलिना की सीमा के पास 11,000 से ज्यादा लोग रहते हैं। यह शहर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के चार्टर, बोट क्रूज और कैसीनो बोट के लिए जाना जाता है। यह मर्टल बीच से लगभग 25 मील उत्तर-पूर्व में है एबीसी न्यूज के अनुसार साउथ कैरोलिना के लिटिल रिवर में पुलिस मेमोरियल डे वीकेंड पर हुई गोलीबारी की घटना में घायलों को पुलिस के पहुंचने से पहले क्षेत्र के अस्पतालों में पहुंचा दिया गया। यह घटना लिटिल रिवर के वॉटसन एवेन्यू पर हुई।

गुयाना आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ, संसदीय प्रतिनिधिमंडल को उपराष्ट्रपति भरत जगदेव ने किया आश्वस्त

एजेंसी

जॉर्जटाउन (गुयाना)/पेरिस (फ्रांस)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पाकिस्तान से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सम्रगता के साथ गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव को अवगत कराया। इस अवसर पर गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव ने कहा कि उनका देश आतंकवाद की लड़ाई में पूरी तरह भारत के साथ है। इस बीच सूचना है कि भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंच चुका है।गुयाना के उपराष्ट्रपति जगदेव ने कहा, यह भारतीय प्रतिनिधिमंडल की शानदार यात्रा है। गुयाना पूरी तरह से भारत के साथ है। गुयाना आतंकवाद के खिलाफ है। भारत के पहलगाम में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम

देने वाले सभी लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। गुयाना के उपराष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा कि यह एक अभूतपूर्व मुलाकात रही। भरत हमारे देश के मित्र हैं और उन्होंने हमारे पड़ोसी (पाकिस्तान) के साथ मौजूदा घटनाओं पर हमारी स्थिति के प्रति बहुत अधिक समझ दिखाई। शशि थरूर ने कहा कि भारत का संदेश बहुत स्पष्ट है। दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना है। हमें न केवल दुष्ट हत्यारों को न्याय के कटघरे में लाना है बल्कि हमें उन लोगों को भी गंभीरता से चुनौती देनी है जो उन्हें वित्तपोषित, प्रशिक्षित और निर्देशित कर रहे हैं। थरूर ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे भारत दशकों से झेल रहा है। अब हमें उन्हें (पड़ोसी) यह संदेश देना है कि इसकी कीमत तो चुकानी होगी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की भरत जगदेव से मुलाकात राष्ट्रपति भवन में हुई। थरूर ने कहा कि बातचीत में गुयाना की रिकॉर्ड तोड़ 30 प्रतिशत वार्षिक आर्थिक वृद्धि, तेल और गैस की खोज के बाद विकास योजनाओं से संबंधित कई विषयों पर भी चर्चा हुई। कृषि से लेकर दूरसंचार, बैंकिंग और राजमार्ग विकास तक के क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों के लिए बड़ी संख्या में अवसरों का उल्लेख किया गया।

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने स्लोवेनिया पहुंचा भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

लुब्ल्याना। भारत की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीति को वैश्विक मंच पर मजबूती से रखने के उद्देश्य से डीएमके सांसद कनिमोई करुणानिधि के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल स्लोवेनिया पहुंचा। यह प्रतिनिधिमंडल भारत की कूटनीतिक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान के आतंकवाद से जुड़े संबंधों की जानकारी देना है।स्लोवेनिया पहुंचने पर भारतीय राजदूत अमित नरंग और दूतावास के अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय दूतावास ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'भारत का संदेश दुनिया तक' - सांसद कनिमोई के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल स्लोवेनिया पहुँचा। राजदूत अमित नरंग और दूतावास के अधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।' इससे पहले प्रतिनिधिमंडल ने रूस का दौरा किया था, जहां उसने भारत के पारंपरिक मित्र रूस के नीति-निर्माताओं के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' और आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं पर विस्तृत बातचीत की। इस प्रतिनिधिमंडल में समाजवादी पार्टी के राजीव राय, नेशनल कांफ्रेंस के मियां अल्ताफ अहमद, भाजपा के कैप्टन बृजेश चौटा, राजद के प्रेमचंद गुप्ता और राजदूत जावेद अशरफ शामिल हैं। यह दल स्लोवेनिया के बाद ग्रीस, लातविया और स्पेन का दौरा भी करेगा। भारत सरकार ने सात ऐसे बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल गठित किए हैं, जो कुल 33 वैश्विक राजधानियों में जाकर यह संदेश देंगे कि हालिया भारत-पाक संघर्ष की जड़ें पाक-प्रायोजित आतंकवाद में हैं, न कि इस्लामाबाद द्वारा प्रचारित 'ऑपरेशन सिंदूर' में। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिसके बाद भारत ने 07 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमले किए। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की, जिसका भारत ने कड़ा प्रत्युत्तर दिया। 10 मई को दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच बातचीत के बाद जमीनी संघर्ष पर विराम लगाने पर सहमति बनी।

पाकिस्तानः खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों की कार्रवाई, टीटीपी के चार आतंकी ढेर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े चार आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह अभियान डेरा इस्माइल खान जिले के कोई बारा क्षेत्र में टीटीपी आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर चलाया गया था। मुठभेड़ के दौरान चार आतंकी मारे गए, जबकि गोलीबारी में एक मेजर रैंक अधिकारी सहित चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायल जवानों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2022 में पाक सरकार और टीटीपी के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते के टूटने के बाद से खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में आतंकी घटनाओं में तेजी आई है। सुरक्षा बल लगातार इन इलाकों में आतंकियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक वर्ष में सैकड़ों सुरक्षा कर्मी और आम नागरिक आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवा चुके हैं। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकियों की बढ़ती घुसपैठ को लेकर सतर्क हैं।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस का हवाई हमला, 12 की मौत, 79 घायल

एजेंसी

कीव। रूस और यूक्रेन में शांति और सुलह की उम्मीदों के बीच दोनों के आसमान पर गरजते रॉकेट और मिसाइलों के हमलों में रक्त बहने के सिवा कुछ भी हासिल नहीं हो रहा। शांति और संघर्ष विराम के वैश्विक प्रयास बेअसर हो रहे हैं। इसका असर एकमात्र यह हुआ है कि दोनों ने एक-दूसरे के युद्धबंदियों का आदान-प्रदान शुरू कर दिया है। लेकिन हमले जारी हैं। रूस ने रात को यूक्रेन की राजधानी कीव को निशाना बनाया गया। हमले में 12 लोग मारे गए और कम से कम 79 घायल हो गए। द कीव इंडिपेंडेंट अखबार के अनुसार, रूस ने 25 मई की रात कीव और अन्य यूक्रेनी क्षेत्रों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इसमें तीन बच्चों सहित 12 लोग मारे गए और कम से कम 79 घायल हो गए। रूस के आंतरिक मंत्री इहोर क्लिमेंको ने टेलीग्राम पर इसकी पुष्टि की। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने रात भर में 69 मिसाइलें और 298 ड्रोन दागे। वायु सेना ने बताया कि 45 क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया और 266 ड्रोन को बेअसर कर दिया गया। हमले में 22 स्थानों पर भारी नुकसान हुआ।यह हमला पूरे युद्ध के दौरान कीव पर सबसे भारी रूसी हमलों में से एक के एक रात बाद हुआ। यह हमला कीव दिवस से पहले किया गया। कीव दिवस पर आज यूक्रेन में अवकाश है। इस हमले में कीव, जाइटॉमिर, खमेलनित्सकी, टेरनोपिल, निप्रॉपेट्रोस, मायकोलाइव, ओडेसा, खारकिव, चेर्निहाइव, चर्कासी, सुमी, पोल्टावा क्षेत्रों में 80 से अधिक आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। विदेशमंत्री एंड्री सिबिहा ने हमले की निंदा की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस पर युद्ध विराम के लिए और दबाव बनाने का आह्वान किया। स्टेट इमरजेंसी सर्विस के अनुसार, जाइटॉमिर ओब्लास्ट में 8, 12 और 17 साल की उम्र के तीन बच्चों की मौत हो गई। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर आश्रय लेने की सलाह दी। इसके बाद सैकड़ों लोगों मेट्रो स्टेशनों पर सारी रात गुजारी। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि एक ड्रोन का मलबा राजधानी के होलोसिव्स्की जिले में एक छात्र छात्रावास परा गिरा। इसक बाद छात्रावास में आग लग गई। प्रशासन के अनुसार, हमले में शेवचेनकिव्स्की जिले में एक व्यापार केंद्र क्षतिग्रस्त हो गया। सुमी ओब्लास्ट में कोनोटोप के मेयर आर्टेम सेमेनीखिन ने कहा कि रूस का रात भर का हमला संभवतः द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से हमारे शहर पर सबसे बड़ा और संयुक्त हमला था। स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि ड्रोन और मिसाइलों ने चेर्निहिव शहर और उसके आस-पास के कई इलाकों को भी निशाना बनाया। भंडारण सुविधाओं और गैर-आवासीय इमारतों में आग लग गई। आग 1,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैल गई। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि दक्षिणी शहर मायकोलाइव में एक ड्रोन पांच मंजिला आवासीय इमारत से टकरा गया। गवर्नर वियाचेस्लाव नेहोडा के अनुसार, पश्चिमी शहर टेरनोपिल में एक कलिब्र क्रूज मिसाइल ने एक औद्योगिक सुविधा को तहस-नहस कर दिया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, रूस ने सप्ताहांत में यूक्रेन पर युद्ध के अपने सबसे बड़े ड्रोन और मिसाइल हमले को अंजाम दिया है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि हमले से पता चलता है कि मॉस्को को युद्धविराम में कोई दिलचस्पी नहीं है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हमलों को इस बात का और सबूत बताया कि रूस इस युद्ध को खींच रहा है और हर दिन हत्याएं कर रहा है। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ाने का आह्वान किया है।

लाहौर कलंदर्स ने चार साल में तीसरी बार जीता पीसीएल का खिताब

एजेंसी

लाहौर। जिम्बाब्वे के हरफनमौला सिकंदर रजा ने टॉस से महज 10 मिनट पहले इंग्लैंड से यहां पहुंचकर लाहौर कलंदर्स को चार साल में पाकिस्तान सुपर लीग का तीसरा खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। खिताब जीतने पर कलंदर्स को पुरस्कार के रूप में 500,000 डॉलर भी मिले जो करीब 4.24 करोड़ रुपए बनते हैं। वहीं उपविजेता टीम ग्लेडिएटर्स को 200,000 डॉलर मिले, जो लगभग 1.69 करोड़ रुपए बनते हैं। अगर इस राशि को अगर आईपीएल की इमानी राशि से जोड़कर देखा जाए तो यह काफी कम हैं क्योंकि आईपीएल का खिताब जीतने वाली टीम को 20 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं क्रूरु की खिताबी राशि से कहीं अधिक राशि पीसीएल नीलामी में खिलाड़ियों पर खर्च की जाती है। इसमें ऋषभ पंत एक उदाहरण हैं जो इस बार 27 करोड़ में बिके थे। लाहौर ने रोमांचक फाइनल में बड़े स्कोर का सफलता से पीछा करते हुए क्वेटा ग्लैडिएटर्स को एक गेंद शेष रहते छह विकेट से हराया। रजा ने नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था जिसे जिम्बाब्वे शनिवार को पारी से हार गया था। उन्होंने रविवार को सात गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाए जबकि कुसल परेरा ने 31 गेंदों में नाबाद 62 रनों की पारी खेली जिससे लाहौर ने 19.5 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की। क्वेटा ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद 9 विकेट पर 201 रन बनाए थे।

कीसी कार्टी का 'डबल' शतक, आयरलैंड के गेंदबाजों की उड़ी नींद

डबलिन ।केंसल एवेन्यू में विंडीज प्लेयर कीसी कार्टी ने आयरलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में अपने बल्ले से गदर मचा दिया। सीरीज के दूसरे मैच में शतक लगाने वाली कार्टी ने तीसरे वनडे में भी शतक लगाया। इस तरह लगातार दो पारियों में उनके डबल शतक हो गए हैं। उन्होंने अपने इस शतक की बदौलत विंडीज को 50 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 385 रन तक पहुंचा दिया। कार्टी के पास दोहरा शतक लगाने का भी मौका था लेकिन 48वें ओवर में उन्हें मैकार्थी ने आऊट कर दिया। वह विंडीज की ओर से वनडे की एक पारी में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए हैं। विंडीज की शुरूआत खराब रही थी। ब्रैंडन किंग 1 तो इविन लुईस 14 रन बनाकर आऊट हो गए। लेकिन इसके बाद कीसी कार्टी और कप्तान शाई होप ने पारी को संभाला और 168 तक पहुंचा दिया। शाई होप 75 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 75 रन बनाए। कीसी ने इसके बाद आमिर जंगू और जस्टिन ग्रीव्स के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। ग्रीव्स ने 23 गेंदों पर 5 चौके और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। कीसी कार्टी ने 142 गेंदों पर 15 चौके और 8 छक्कों की मदद से 170 रन बनाए। इसके बाद रोस्टन चेज और मोंटी ने स्कोर 385 तक पहुंचा दिया। आयरलैंड की ओर से बैरी मैकार्थी ने 3 तो लियाम मैकार्थी ने 2 विकेट लीं।

टीम हारी, लेकिन सुनील नरेन ने किया अपना काम, बनाया बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। टी20 क्रिकेट में कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार स्पिनर सुनील नरेन ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। नरेन ने किसी एक टी20 टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने कोलकाता के लिए 209 विकेट हासिल किए, जो इस फॉर्मेट में किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा है। यह उपलब्धि आईपीएल 2025 के दौरान हासिल हुई, जहां नरेन ने अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। वेस्टइंडीज के इस दिग्गज ऑफ-स्पिनर ने नॉटिंघमशायर के समित पटेल को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 208 विकेट हैं। तीसरे स्थान पर हैम्पशायर के क्रिस वुड हैं, जिन्होंने 199 विकेट लिए, जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा 195 विकेट के साथ चौथे स्थान पर हैं, जो उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए हासिल किए। सुनील नरेन ने कोलकाता के लिए 2012 में डेब्यू किया था और तब से वे टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज रहे हैं। उनकी कसी हुई गेंदबाजी, विविधताओं भरी स्पिन और पावरप्ले व डेथ ओवर्स में प्रभावी गेंदबाजी ने उन्हें कोलकाता का अभिन्न हिस्सा बनाया। नरेन ने न केवल विकेट चटकाए, बल्कि अपनी किफायती गेंदबाजी से कई बार विरोधी टीमों के रन रेट पर अंकुश लगाया। इसके अलावा, उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और फील्डिंग ने भी कोलकाता को कई मौकों पर जीत दिलाई।

नहीं जीत पाये श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स का खिताब

बुकित जलील। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। आज यहां खेले गये पुरुष एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 65वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत को विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी चीन के ली शिफेंग ने 36 मिनट तक चले मैच में सीधे सेटों में 21-11, 21-9 से हराया। किदांबी श्रीकांत की ली शिफेंग के खिलाफ पांच मैचों में चौथी हार है। मैच की शुरुआत भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने पहला अंक हासिल करके की लेकिन इसके बाद शिफेंग ने श्रीकांत पर दबाव बनाना शुरू किया और 6-3 की अहम बढ़त बना ली। मिड गेम ब्रेक तक विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी शिफेंग ने 11-6 की बढ़त बना ली थी।

ब्राजील पहुंचे कार्लो एंसेलोटी, संभालेंगे ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच की भूमिका

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। इटली के दिग्गज कार्लो एंसेलोटी ब्राजील पहुंचे, जहां वह अब ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच की भूमिका संभालेंगे। 65 वर्षीय एंसेलोटी ब्राजील के लिए काम करने वाले पिछले एक सदी में पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच हैं। वह परिवार और अपनी कोचिंग टीम के साथ स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे के करीब निजी जेट से रियो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे।ब्राजील पहुंचते समय एंसेलोटी ने ब्राजील की राष्ट्रीय टीम की कैप पहन रखी थी, जो उनके नए सफर की शुरुआत का संकेत था। हालांकि एयरपोर्ट पर उनका कोई आधिकारिक स्वागत नहीं किया गया। केवल एक प्रशंसक, जो ब्राजील की जर्सी पहने हुए था, उन्हें बाहर निकलते हुए देख सका।

एंसेलोटी आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए ब्राजील टीम के मुख्य कोच के तौर पर अपनी नई भूमिका की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही वह अगले महीने इक्वाडोर और पराग्वे के खिलाफ होने वाले दक्षिण अमेरिकी वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए टीम का ऐलान भी करेंगे। उनके आगमन से कुछ घंटे पहले ही सामिर ज़ाउद को ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) का नया अध्यक्ष चुना गया। यह चुनाव एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद संपन्न हुआ, जिसमें एडनाल्डो रोड्रिग्स को पद से हटाया गया था। उल्लेखनीय है कि रोड्रिग्स ही वो व्यक्ति थे जिन्होंने एंसेलोटी को रियल मैड्रिड से नियुक्त किया था। अब एंसेलोटी की नजरें सीबीएफ नेतृत्व से मुलाकात और मीडिया के सामने अपनी योजनाओं को साझा करने पर होंगी। उनका करार 2026 फीफा वर्ल्ड कप तक रहेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज से पहले गौतम गंभीर ने मां कामाख्या से लिया आशीर्वाद

एजेंसी

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एवं पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने सुबह गुवाहाटी में मां कामाख्या से आशीर्वाद लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कड़ी सुरक्षा के बीच कामाख्या मंदिर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि गौतम गंभीर एक दिवसीय दौरे के तहत आज गुवाहाटी पहुंचे। गौतम गंभीर ने कड़ी सुरक्षा के बीच मां कामाख्या का आशीर्वाद लिया। गौतम गंभीर लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधे कामाख्या मंदिर पहुंचे। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ने पूजा-अर्चना करने के बाद मां कामाख्या धाम से गुवाहाटी के होटल रेडिसन ब्लू के लिए रवाना हुए। मिली जानकारी के अनुसार गौतम गंभीर आज दोपहर 1 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। बताया गया है कि उनका अन्य कोई कार्यक्रम गुवाहाटी में नहीं है। सिर्फ मां कामाख्या का आशीर्वाद लेने के लिए ही वे यहां पहुंचे थे।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट में उरुग्वे को 3-2 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के रोसारियो में खेले जा रहे चार देशों के फ्रेंडली हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में उरुग्वे को 3-2 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए सोनम (21वें मिनट) और कनिका सिवाच (46वें मिनट, 50वें मिनट) ने अहम गोल किए, जबकि उरुग्वे की ओर से मिलाग्रोस सिगल (3वें मिनट) और अगस्टिना मारी (24वें मिनट) ने गोल दागे।

मैच की शुरुआत में ही उरुग्वे ने आक्रामक खेल दिखाया और तीसरे मिनट में मिलाग्रोस सिगल ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने वापसी की और 21वें मिनट में सोनम ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बराबरी का गोल किया। हालांकि, महज तीन मिनट बाद उरुग्वे ने एक बार फिर बढ़त हासिल कर ली जब अगस्टिना मारी ने भी पेनल्टी कॉर्नर से गोल दागा तीसरे क्वार्टर तक स्कोर 2-1 रहा, लेकिन अंतिम चरण में कनिका सिवाच ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए शानदार फील्ड गोल के जरिए भारत को निर्णायक बढ़त दिला दी।

भारत की वापसी कराई। उन्होंने पहले 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया, और फिर 50वें मिनट में एक

अब भारत का अगला मुकाबला 28 मई (भारतीय समयानुसार) को मेजबान अर्जेंटीना से होगा।

प्रीमियर लीग 2024-25 : लिवरपूल ने खिताबी सीजन का समापन क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 1-1 ड्रॉ से किया

एजेंसी

लिवरपूल। लिवरपूल ने प्रीमियर लीग 2024-25 के अपने खिताबी अभियान का समापन रविवार रात क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 1-1 की बराबरी के साथ किया। मैच में मोहम्मद सालाह ने 84वें मिनट में शानदार गोल कर टीम को हार से बचाया। इससे पहले इश्माइला सार ने नौवें मिनट में गोल कर पैलेस को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

पहले ही जीत चुकी थी लीग, जश्न में डूबा रहा एंफील्ड

लिवरपूल पहले ही चार मुकाबले शेष रहते खिताब अपने नाम कर चुका था। ऐसे में एंफील्ड स्टेडियम का माहौल पूरी तरह से जश्न में डूबा हुआ था। दिलचस्प बात यह रही कि पैलेस के फैन्स, जो पिछले हफ्ते एफए कप जीत का जश्न मना चुके थे, उन्होंने भी चैंपियंस के नारों से माहौल गर्माया। मैच में ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड को उनके आखिरी मैच में दूसरे हाफ में उतारा गया। यह उनका लिवरपूल के लिए 354वां और अंतिम मुकाबला था। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे रियल मैड्रिड जाने वाले हैं। उन्होंने डार्विन नुनेज को शानदार पास दिया लेकिन गोलकीपर डीन हेंडरसन ने बढ़िया बचाव किया। इसके बाद डियोगो जोटा का शॉट भी पोस्ट से टकराकर

बाहर चला गया। वहीं, रयान ग्रावेनबर्ख को सीधे रेड कार्ड दिखाया गया जिससे वह अगले सीजन के पहले मैच से बाहर रहेंगे।

सालाह ने रिकॉर्ड की बराबरी कर जीते दो बड़े अवॉर्ड

मैच के 84वें मिनट में सालाह ने कराटे-किक स्टाइल में गोल कर मुकाबला बराबर कर दिया। यह उनका इस सीजन का 29वां गोल रहा। इसी के साथ वे एंडी कोल और एलन शियरर के 47 गोल इन्वॉल्वमेंट (गोल + असिस्ट) के रिकॉर्ड की बराबरी पर पहुंचे।

मैच के बाद सालाह को गोल्डन बूट और 'प्लेमेकर ऑफ द सीजन' अवॉर्ड

लिवरपूल के दिग्गज गोलस्कोरर इयान रश ने प्रदान किए। वहीं कप्तान वर्जिल वान डाइक ने ट्रॉफी उठाकर सीजन का शानदार समापन किया।

अब अगले सीजन में नया युग शुरू करेगा लिवरपूल

इस मुकाबले के साथ लिवरपूल का यह चैम्पियन सीजन समाप्त हुआ, जहां क्लब ने न सिर्फ ट्रॉफी जीती बल्कि एक युग का भी अंत देखा, जिसमें ट्रेंट और मैनेजर जुर्गन क्लॉप की विदाई शामिल रही। अब देखना होगा कि आने वाले सीजन में लिवरपूल अपनी इस फॉर्म को कैसे बरकरार रखता है।

आईपीएल 2025: क्लासेन के ऐतिहासिक शतक से हैदराबाद ने कोलकाता को 110 रनों से रौंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 110 रनों के भारी अंतर से हराकर आईपीएल 2025 से विजयी विदाई ली। भले ही यह मैच प्लेऑफ की दौड़ में किसी बदलाव का कारण नहीं बना लेकिन दोनों टीमों के लिए यह आत्मसम्मान की लड़ाई थी, जिसमें हैदराबाद ने दमदार अंदाज में जीत दर्ज की।

हैदराबाद के बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में तूफानी प्रदर्शन किया। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 278 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। शुरुआत अभिषेक शर्मा (32 रन, 12 गेंद) और ट्रेविस हेड (76 रन, 39 गेंद) ने की, जिन्होंने मात्र 6 ओवरों में 92 रनों की विस्फोटक साझेदारी कर टीम को तेज रफ्तार दी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने मैदान में तूफान ला दिया। उन्होंने महज 37 गेंदों में शतक

जड़ते हुए आईपीएल इतिहास का संयुक्त तीसरा सबसे तेज शतक अपने नाम किया। क्लासेन की पारी में चौकों-छक्कों की बरसात रही और उन्होंने अपनी टीम को एक विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। कोलकाता के लिए गेंदबाजी में सिर्फ सुनील नारायण (2 विकेट) और वैभव अरोड़ा (1 विकेट) ही कुछ हद तक असरदार रहे, जबकि अन्य गेंदबाजों पर हैदराबाद के बल्लेबाजों ने कहर बरपाया। 278 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। सलामी बल्लेबाज सुनील नारायण ने 31 रन बनाए, लेकिन उन्हें कोई साथ नहीं मिला। रहाणे (15), डी कॉक (9), और रघुवंशी (15) जल्दी-जल्दी पवेलियन लौट गए। रिंकू सिंह (9) और आंद्रे रसेल (0) को हर्ष दुबे ने दो गेंदों में चलता कर दिया, जिससे कोलकाता की उम्मीदें पूरी तरह टूट गईं। निचले क्रम के बल्लेबाज मनीष पांडे (37) और हर्षित राणा (34) ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और हर्ष दुबे ने तीन-तीन विकेट चटकाकर कोलकाता की पारी को 168 रन पर समेट दिया।इस शानदार जीत के साथ हैदराबाद ने सीजन का समापन आत्मविश्वास के साथ किया।

प्लेऑफ से पहले आरसीबी में जोश हेजलवुड की हुई वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। सिर्फ कुछ लीग मुकाबले बाकी हैं, उसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे और फिर 3 जून को फाइनल खेला जाएगा। इस बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टीम से जुड़ गए हैं। आरसीबी को अपना आखिरी लीग मैच लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ मंगलवार अर्थात 27 मई को खेलना है। इसके बाद प्लेऑफ मुकाबले शुरु हो जाएंगे। ऐसे में आरसीबी के लिए यह बड़ी खुशखबरी है कि उनकी टीम का प्रमुख तेज तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड वापस आ गए हैं। फ्रेंचाइजी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के आगमन की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, वो आ गया। स्वागत है जोश रेजिनाल्ड हेजलवुड! दरअसल, जोश हेजलवुड ने आईपीएल 2025 में अपना आखिरी मैच 27 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था। इसके बाद तीन मई को वह कंधे की चोट के चलते चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। फिर भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते 9 मई को आईपीएल एक हफ्ते के लिए सस्पेंड हो गया था। तब हेजलवुड अपने घर लौट गए थे। बाद में 17 मई को फिर से सीजन की शुरुआत हुई।

फ्रेंच ओपन में राफेल नडाल को दी गई भावभीनी विदाई

एजेंसी

पेरिस। 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन और पूर्व स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल को रोलां गैरोस कॉम्प्लेक्स के कोर्ट फिलिप शात्रिए पर आयोजित एक विशेष समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। 38 वर्षीय नडाल ने पिछले साल नवंबर में टेनिस से संन्यास लिया था और इस अवसर पर हजारों दर्शकों ने खड़े होकर उन्हें सम्मान दिया।

20 साल के सफर पर नडाल हुए भावुक: समारोह के दौरान नडाल ने जब अपने करियर की झलकियों का वीडियो देखा तो वे बेहद भावुक हो गए। उन्होंने कहा,मुझे नहीं पता कहां से शुरू करूंं मैं पिछले 20 सालों से इस कोर्ट पर खेलता आया हूं। मैंने यहां दर्द भी सहा है, जीत का स्वाद भी चखा है, और हार भी देखी है। इस कोर्ट पर मेरे जीवन की सबसे गहरी भावनाएं जुड़ी हैं। दर्शकों ने अलग-अलग रंग की टी-शर्ट पहनकर '14 RG, Rafa' का अद्भुत नजारा पेश किया, जो नडाल को उनके 14 फ्रेंच ओपन खिताबों

के लिए सम्मान देने का तरीका था। पूरा स्टेडियम तालियों और जयकारों से गूंज उठा।

परिवार और दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में हुआ सम्मान: समारोह में नडाल के परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे– उनके चाचा और पूर्व कोच टोनी नडाल, पिता सेबास्टियन नडाल, मां एना मारिया परेरा, पत्नी मारिया फ्रांसिस्का पेरेलो, बहन मारिया इसाबेल और बेटे राफा जूनियर ने इस ऐतिहासिक पल को साझा किया। इसके अलावा मौजूदा फ्रेंच ओपन महिला चैंपियन पोलैंड की इगा स्विएतेक, पुरुष चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज और उनके कोच जुआन कार्लोस फेरेरो भी समारोह में शामिल हुए। ये दोनों खिलाड़ी सोमवार से अपने खिताब की रक्षा शुरू करेंगे।

'बिग फोर' ने एक बार फिर मंच साझा किया: नडाल के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी रहे रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे भी इस समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए। चारों दिग्गजों को एक साथ देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। नडाल ने कहा, इतने सालों की लड़ाई के बाद आज यह सब देखना बहुत भावुक कर देने वाला है। वक्त सब कुछ बदल देता है। फेडरर और जोकोविच दोनों ने नडाल को गले लगाया। खास बात यह रही कि तीन साल पहले नडाल ने फेडरर के विदाई मैच में उनके साथ जोड़ी बनाकर खेला था, जिसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी जिसमें दोनों दिग्गज हाथ पकड़े भावुक नजर आए थे। नडाल, जोकोविच, फेडरर और मरे–इन 'बिग फोर' ने पिछले दो दशकों में टेनिस को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। नडाल 22 बार, फेडरर 20 बार, जोकोविच 24 बार और मरे 3 बार ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। रोलां गैरोस की यह विदाई सिर्फ एक खिलाड़ी के लिए नहीं, बल्कि एक स्वर्णिम युग को अलविदा कहने जैसा रहा।

सेंटर आफ एक्सीलेंस टूर्नामेंट के लिए हिमाचल की दो क्रिकेटर का चयन

एजेंसी

धर्मशाला। बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस द्वारा अंडर-19 गर्ल्स इंटर सेंटर आफ एक्सीलेंस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। 30 मई से 9 जून तक अहमदाबाद में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट में एचपीसीए की दो महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिसमें जिला शिमला की अनाहिता सिंह टीम सी और जिला कांगड़ा की धन्यलक्ष्मी टीम ए में शामिल होंगी। चयनित खिलाड़ियों को 29 मई को टूर्नामेंट स्थल पर रिपोर्ट करना होगा। एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने प्रदेश की दो महिला खिलाड़ियों के चयन पर उन्हें एचपीसीए की ओर से बधाई देते हुए टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

रेड बॉल फॉर्मेट में देश के नेतृत्व का अवसर मिलना बड़ा सम्मान : शुभमन गिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि रेड बॉल फॉर्मेट में देश का नेतृत्व करने का अवसर मिलना एक बड़ा सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी है। मैं इस रोमांचक अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर जाना हैं, जहां टीम को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बीते दिन इस दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान भी कर दिया। वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम का नया कप्तान बनाया गया है, वहीं ऋषभ पंत को उप कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है। कप्तान बनाए जाने के बाद पहली बार बीसीसीआई डॉट टीवी (ड्ढष्टद्ब.ह्1) पर रविवार को शेयर वीडियो में शुभमन गिल ने कहा कि एक युवा बच्चे के रूप में, जब कोई क्रिकेट खेलना शुरू करता है तो वह भारत के लिए खेलना चाहता है। न केवल भारत के लिए खेलना, बल्कि बहुत लंबे समय तक भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना। गिल ने कहा कि यह अवसर पाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं इस रोमांचक अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी सीरीज रोमांचक होने वाली है गिल ने कहा कि एक कप्तान के तौर पर आपको पता होना चाहिए कि कब आगे आना है और कब अपने खिलाड़ियों को जगह देनी है, क्योंकि हर किसी की जिंदगी अलग होती है। हर किसी का व्यक्तित्व अलग होता है। इसलिए एक अच्छे लीडर को हमेशा यह पता होना चाहिए कि उसके खिलाड़ी किस तरह से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन या सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। गिल खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और विराट कोहली के नेतृत्व में कुछ अहम बातें सीखने को मिलीं। दोनों दिग्गज सितारों ने क्रमशः 7 मई और 12 मई को खेल के सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। गिल ने कहा कि जब मैं बच्चा था, तो मैं हमेशा भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ियों और दिग्गजों से प्रेरित रहता था और मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे उनमें से कई के साथ खेलने का मौका मिला। चाहे विराट भाई हों या रोहित भाई, दोनों की शैली बहुत अलग थी, लेकिन दोनों को एक ही लक्ष्य की ओर काम करते देखना बहुत प्रेरणादायक था।

लैंडो नॉरिस ने जीता मोनाको ग्रां प्री, पियास्त्री से वर्ल्ड चैंपियनशिप की रेस में केवल 3 अंक पीछे

एजेंसी

मोनाको। मैकलेरन के ड्राइवर लैंडो नॉरिस ने पोल पोजिशन से शुरुआत करते हुए अपने करियर की यादगार जीत दर्ज की। उन्होंने मोनाको ग्रां प्री में पहला स्थान हासिल कर न केवल इस प्रतिष्ठित रेस में अपना सपना पूरा किया, बल्कि अपने ही टीम साथी ऑस्कर पियास्त्री की फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियनशिप लीड को महज 3 अंकों तक सीमित कर दिया। रेस में फेरारी के चार्ल्स लेक्लर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि पियास्त्री तीसरे और रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन चौथे स्थान पर रहे। खास बात यह रही कि टॉप चार ड्राइवरों ने उसी क्रम में रेस पूरी की, जिस क्रम में उन्होंने शुरुआत की थी।

'बचपन का सपना पूरा हुआ' – नॉरिस

नॉरिस ने जीत के बाद कहा, 'यह वही है जिसका मैंने बचपन में सपना देखा था। आज मैंने उसे सच कर दिखाया।' मोनाको में यह उनकी पहली जीत रही और मैकलेरन के लिए 2008 के बाद पहली बार किसी ड्राइवर ने इस ट्रैक पर जीत दर्ज की है। रेस के दौरान दो अनिवार्य पिट स्टॉप्स का नया प्रयोग किया गया, लेकिन यह रणनीति ओवरटेक के लिहाज से कोई बड़ा बदलाव नहीं ला सकी। अधिकतर ड्राइवर सिर्फ मौके का इंतजार करते रहे। वेरस्टैपेन ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, 'बहुत रोमांचक रेस थी। हर लैप पर मैं सीट के किनारे बैठा था। शायद अगले साल चार पिट स्टॉप हों। मैं आज भी चार स्टॉप करके Py पर ही आता।

नॉरिस ने आखिरी सेक्शन में खुद को नियंत्रण में रखा, जहां लेक्लर उनके पीछे दबाव बना रहे थे और वेरस्टैपेन आगे की रणनीति को लेकर प्रयोग कर रहे थे। नॉरिस ने रेस में चार कारों को छोड़कर सभी को लैप कर दिया। यह सीजन की नॉरिस की दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री में भी जीत दर्ज की थी।

मर्सिडीज का निराशाजनक प्रदर्शन

मर्सिडीज के लिए यह रेस किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। सात बार के वर्ल्ड चैंपियन लुईस हैमिल्टन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि जॉर्ज रसेल को ड्राइव थ्रू पेनल्टी मिली और वह 11वें स्थान पर रहे।

रेसिंग बुल्स के इसाक हदजर छठे और हास के एस्टेबन ओकॉन सातवें स्थान पर रहे। लियाम लॉसन ने आठवां स्थान हासिल कर सीजन के अपने पहले अंक अर्जित किए, जबकि एलेक्स एल्बोन (विलियम्स) और कार्लोस सैंज ने टॉप 10 में जगह बनाई।

दुर्घटनाएं और रिटायरमेंट

रेस की शुरुआत में ही वर्चुअल सेफ्टी कार तैनात करनी पड़ी जब साओबर के गैब्रियल बोर्तोलेटो दीवार से टकरा गए। अल्पाइन के पियरे गैस्ली पहले रिटायर हुए, जब वह युकी त्सुनोदा की कार से टकरा गए। बाद में एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो भी अपनी धुंआ उड़ाती कार को लेकर बाहर हो गए। अब यूरोपियन ट्रिपल हेडर की अगली रेस अगले सप्ताह बार्सिलोना में आयोजित होगी, जहां टीमें नई रणनीति और उम्मीदों के साथ उतरेंगी।

27 करोड़ बार देखा गया

प्रियंका चोपड़ा

का ये गाना, एक्ट्रेस ने खुद दी है

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के पास एक्टिंग के अलावा सिंगिंग का टैलेंट भी है. प्रियंका चोपड़ा कुछ एक गाने भी गा चुकी हैं. उनके द्वारा गाया एक गाना तो यूट्यूब पर 27 करोड़ बार देखा गया है. इस गाने में उनका साथ मशहूर इंटरनेशनल सिंगर पिटबुल ने दिया था. आइए आपको बताते हैं कि प्रियंका का ये गाना कौन सा है और ये कब रिलीज किया गया था.

2013 में आया था प्रियंका का 'एक्जॉटिक'

प्रियंका चोपड़ा द्वारा गाया गया 'एक्जॉटिक' दूसरा गाना था. इसमें हिंदी लिरिक्स को एक्ट्रेस ने ही आवाज दी थी. ये गाना साल 2013 में यूट्यूब पर 'प्रियंका चोपड़ा वेवो' नाम के यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया था. इसके जरिए प्रियंका इंटरनेशनल पहचान बनाने में कामयाब हुई थीं. आते ही ये सॉन्ग यूट्यूब पर छा गया था.

27 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया

प्रियंका ने इसे साल 2013 में मुंबई में लॉन्च किया था. इसमें उनका बिकिनी अवतार फैंस को काफी पसंद आया था. वहीं एक्ट्रेस ने पिटबुल के साथ अपने ग्लैमर अंदाज से भी तमाम फैंस का ध्यान खींच लिया था. पिटबुल और प्रियंका ने एक्जॉटिक को मियामी की खूबसूरत लोकेशन पर शूट किया था. जिसमें प्रियंका देसी तड़का लगाते हुए भी दिखी थीं. इसमें पिटबुल का नाम जुड़ने से इसे इंटरनेशल लेवल पर भी गजब की लोकप्रियता मिली थी. अब तक इस सॉन्ग को यूट्यूब पर 270 मिलियन (27 करोड़) व्यूज मिल चुके हैं.

1000 करोड़ी फिल्म में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका ने साल 2018 में अमेरिका के मशहूर सिंगर निक जोनस से शादी कर ली थी. इसके बाद वो पति के साथ अमेरिका में ही शिफ्ट हो गईं. शादी करने और भारत छोड़ने के बाद प्रियंका इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में काम करती हुई नजर नहीं आईं. हालांकि अब वो साउथ के मशहूर डायरेक्टर एसएस राजामौली और साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म 'स्स्स्ब29' में नजर आने वाली हैं. कुछ दिनों पहले ही एक्ट्रेस इस पिक्चर की शूटिंग के लिए इंडिया आई थीं और फिर वापस लौट गई थीं. ये साउथ सिनेमा ही नहीं बल्कि भारत की सबसे महंगी फिल्म साबित होगी. इसका बजट 1000 करोड़ रूपये बताया जा रहा है.

रणबीर-दीपिका की फिल्म से जब कटा कटरीना का पत्ता, आखिरी वक्त में किया गया बाहर

कटरीना कैफ बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई फिल्में कर चुकी हैं. शुरुआत के फिल्मों से ही एक्ट्रेस ने अपनी छाप लोगों पर छोड़ दी थी. आज उनका नाम टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल हैं, हालांकि एक्ट्रेस ने हाल ही में खुलासा किया है कि रणबीर कपूर और दीपिका की एक फिल्म में से उनका पूरा किरदार ही हटा दिया गया था. कटरीना ने बताया कि वो फिल्म में चौथी लड़की का किरदार निभाने वाली थीं, लेकिन बाद में उन्हें बताया गया कि वो फिल्म का हिस्सा नहीं हैं.

कटरीना ने इंडस्ट्री में एक आउटसाइडर के तौर पर अपनी शुरुआत की थी. एक्ट्रेस ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि रणबीर कपूर-दीपिका पादुकोण की फिल्म बचना ए हसीनों में उनका भी रोल था. एक्ट्रेस ने बताया कि जिस तरह रणबीर के अपोजिट 3 लड़कियां दिखाई गई हैं, वहीं उसमें से चौथी लड़की का किरदार मेरा था. इस बैनर के तले मुझे पहली फिल्म मिलने वाली थी, जिसके लिए मैं काफी एक्साइटेड थी.

2008 में आई थी फिल्म

हालांकि , बाद में मुझे बताया गया कि फिल्म में उनके किरदार की वजह से स्क्रिप्ट बड़ी हो रही है, जिसकी वजह से वो रोल काटा जा रहा है. साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि ये फिल्म 2008 में आई थी, उस वक्त फिल्म सिंह इज किंग रिलीज हुई थी, जो कि काफी बड़ी हिट साबित हुई थी. हालांकि, बचना ए हसीनों के वक्त दीपिका और रणबीर से ज्यादा फिल्मों में कटरीना नजर आ चुकी थी. वो पार्टनर, मैंने प्यार क्यों किया जैसी फिल्मों में शामिल थीं.

लोगों ने किया था डिमोटिवेट

एक्ट्रेस ने बातचीत के दौरान ये भी बताया था कि कुछ लोगों ने उन्हें कहा था कि वो बॉलीवुड में सक्सेस नहीं हो पाएंगी. लेकिन, अभी की बात करें, तो वो फिल्मी दुनिया का बड़ा नाम बन चुकी हैं. आखिरी बार एक्ट्रेस फिल्म मैरी क्रिसमस में नजर आई थीं, जो कि साल 2024 में रिलीज हुई थी. वहीं शुरुआत की बात करें, तो उन्होंने साल 2003 में फिल्म बूम से अपना डेब्यू किया था, फिर धीरे-धीरे करते वो टॉप एक्ट्रेस की कैटेगरी में आ गईं.

सारा मुद्दा सुलझ जाएगा... अक्षय कुमार की कंपनी ने परेश रावल पर ठोका करोड़ों का हर्जाना, तो बाबू राव ने दे दिया ऐसा जवाब

प्रियदर्शन की अपकमिंग फिल्म हेरा फेरी को लेकर कुछ न कुछ खबर आ ही रही है. फिल्म से बाबू राव यानी परेश रावल के निकलने के बाद से फिल्म के मेकर्स के साथ ही साथ फैंस में भी काफी निराशा है. हालांकि, फिल्म से एक्जिट करने के बाद अक्षय कुमार ने एक्टर पर लीगल एक्शन लिया था और फिल्म के नुकसान के लिए हर्जाने की मांग की थी. हालांकि, इसी मामले में हाल ही में परेश रावल ने अपने सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर किया है.साल 2000 में हेरा फेरी का पहला पार्ट आया था, जिसके बाद फिल्म की तिकड़ी राजू, बाबू राव और श्याम काफी ज्यादा फेमस हो गए थे. अब इनमें से परेश रावल ने अपने किरदार को छोड़ दिया है. इस खबर को सुनने के बाद से कई लोगों का ये कहना है कि फिल्म ही न बनाई जाए. हालांकि, फिल्म से अपना नाम वापस लेने के बाद से अक्षय कुमार ने हुए नुकसान के लिए परेश रावल से 25 करोड़ के हर्जाने की मांग की थी. जिसके बाद से अब एक्टर के वकील ने टीम को इस मामले का जवाब भेजा है.

सारे मुद्दे सही हो जाएंगे

परेश रावल ने इस बात की जानकारी देते हुए अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है, मेरे वकील अमीत नाइक ने मेरे टर्मिनेशन और एग्जिट को लेकर जवाब भेजा है. एक बार जब वो मेरा जवाब पढ़ लेंगे तो सारे मुद्दे सही हो जाएंगे. बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की माने, तो हाल ही में परेश रावल ने फिल्म की साइनिंग अमाउंट वापस कर दी है. हाल ही में इस मामले में सुनील शेट्टी का भी रिएक्शन सामने आया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि इस बारे में जानने के बाद उन्हें झटका लगा है.

डायरेक्टर ने बताया कुछ और

हेरा फेरी 3 को अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनाया जा रहा है. फिल्म के छोड़ने को लेकर परेश रावल ने बताया था कि इसमें क्रिएटिव डिफरेंस की बात नहीं है और न ही डायरेक्टर के साथ कुछ है एक्टर ने कहा कि डायरेक्टर ने उन्हें फिल्म न छोड़ने के लिए काफी समझाया भी था. हालांकि, जब इस मामले में फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन से बात किया गया, तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में कुछ भी पता नहीं था.

कॉपी कैट है...

मल्लिका शेरावत

के 8 साल पुराने लुक से आलिया का Cannes लुक हुआ मैच, तो लोगों ने सुनाई खरी-खोटी

फ्रांस में हो रहे कान फिल्म फेस्टिवल में आलिया भट्ट ने डेब्यू किया है. रेड कार्पेट पर एक्ट्रेस का दो लुक सामने आया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं. हालांकि, एक्ट्रेस का पहला लुक सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा सर्कुलेट हो रहा है, जिसमें उन्होंने फ्लोरल गाउन पहना हुआ है. दरअसल, आलिया का ये कान लुक लोगों को साल 8 साल पुराने कान फिल्म फेस्टिवल की याद दिला रहा है.कान फिल्म फेस्टिवल में आलिया ने ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ था, जिसमें फूलों की कढ़ाई की गई थी. हालांकि, उनकी दूसरी ड्रेस ने लोगों का ध्यान ज्यादा खींचा है. वहीं उनके फ्लोरल गाउन की बात की जाए, तो लोग उसको मल्लिका शेरावत के कान फिल्म फेस्टिवल लुक से कर रहे हैं.

दरअसल, साल 2017 में मल्लिका ने रेड कार्पेट पर इसी तरह के गाउन में जलवा बिखेरा था. एक्ट्रेस के उस वॉक को अभी तक लोग याद रखे हुए हैं.

2017 के लुक से कंपेयर

मल्लिका ने 8 साल पहले इसी तरह का ऑफ शोल्डर गाउन कैरी किया था, जिसके साथ उन्होंने अपने लुक को काफी सिंपल रखा था. कान फिल्म फेस्टिवल 2017 का वॉक मल्लिका का सबसे फेमस वॉक रहा है. उनके गाउन पर लोगों की निगाहें टिक गई थीं, साथ ही साथ गाउन पर उभरे हुए फूल ड्रेस की शोभा में चार चांद लगा रहे थे. मल्लिका के उस लुक को लोग अब आलिया के लुक से कंपेयर कर रहे हैं, जो कि लगभग एक जैसा ही है.

कॉपी को लेकर किया ट्रोल

सोशल मीडिया पर दोनों ही एक्ट्रेस की तस्वीर साथ में वायरल हो रही है. इस दौरान लोगों ने कमेंट सेक्शन में दोनों के लुक को कंपेयर करना शुरू कर दिया है.

जिसमें ज्यादातर लोगों ने मल्लिका के लुक को ज्यादा बेहतर बताया है, वहीं कई लोग आलिया को ड्रेस कॉपी करने के लिए ट्रोल कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट करते हुए आलिया को कॉपी कैट तक कह दिया है. वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है कि मल्लिका ने इस लुक को ज्यादा बेहतर तरीके से कैरी किया हुआ है.

नई तकनीक और आधुनिक हथियार बनाने पर दें जोर: राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की रक्षा उद्योग की सराहना

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारियों और उनके प्रदर्शन में अहम रोल निभाने वाले रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) सहित पूरे रक्षा उद्योग की भूमिका की सराहना की। राजनाथ सिंह ने आठ रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) के सीएमडी के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर रक्षा मंत्रालय में सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार भी उपस्थित थे। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने और डीपीएसयू की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य और हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए सिंह ने डीपीएसयू को आधुनिक युद्ध के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास पर अधिक ध्यान देने के साथ नवीनतम प्रौद्योगिकियों पर अपना उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान सचिव (रक्षा उत्पादन) ने डीपीएसयू के विकास के आंकड़े प्रस्तुत किए, जिसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रक्षा उत्पादन का मूल्य 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। इसमें से करीब 78 प्रतिशत का योगदान डीपीएसयू द्वारा किया जाएगा। सिंह ने डीपीएसयू की

ओर से उत्पादन के मूल्य में वृद्धि की सराहना की, हालांकि उन्होंने उन्हें सशस्त्र बलों के साथ-साथ अपने अन्य ग्राहकों को उत्पादों की समय पर डिलीवरी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने निर्यात बढ़ाने में डीपीएसयू की भूमिका पर भी जोर दिया। रक्षा मंत्री ने एचएएल को महारत्न का दर्जा मिलने पर तथा मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड को नवरत्न का दर्जा मिलने पर बधाई दी। अन्य डीपीएसयू जिनके सीएमडी ने भी चेक प्रस्तुत किए, उनमें भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) तथा बीईएमएल लिमिटेड शामिल हैं।

डीआरडीओ प्रमुख डॉ समीर वी. कामत का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा

नई दिल्ली

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (डीडीआरएंडडी) के सचिव और रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ समीर वी. कामत का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सोमवार को जारी अधिसूचना में कहा गया कि उनकी सेवा में 01.06.2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए 31.05.2026 तक या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, विस्तार को मंजूरी दे दी है। डॉ समीर ने 26 अगस्त 2022 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष और रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग (डीडीआरएंडडी) के सेक्रेटरी का पदभार संभाला था। डॉ कामत ने वर्ष 1985 में आईआईटी खड़गपुर से मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में बीटेक (ऑनर्स) की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने 1988 में ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका से मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में पीएचडी पूरी की।

जेईई की मुख्य परीक्षा के स्कोर कार्ड में विसंगतियों की याचिका पर एनटीए को नोटिस

नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने इंजीनियरिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की मुख्य परीक्षा के स्कोर कार्ड में विसंगतियों के आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी किया है। जस्टिस विकास महाजन की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 29 मई को करने का आदेश दिया। याचिका ओमान के मस्कट में पढ़ रहे एक भारतीय छात्र की ओर से दाखिल की गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अजय कुमार ने कहा कि जेईई की मुख्य परीक्षा 23 जनवरी और 2 अप्रैल को हुई थी। याचिका में कहा गया है कि स्कोर कार्ड में एक की आवेदन के लिए दो अलग-अलग पर्सेंटाइल दिखा रहा है। दोनों स्कोर कार्ड की प्रति एनटीए को स्पष्टीकरण के लिए भेजी गई। एक में पर्सेंटाइल 55 से कुछ ज्यादा था और दूसरे में पर्सेंटाइल 89 से ज्यादा था। 13 मार्च को एनटीए ने अपने जवाब में कहा कि सही पर्सेंटाइल 55 से ज्यादा वाला है। एनटीए ने 89 से ज्यादा पर्सेंटाइल वाला स्कोर कार्ड निरस्त कर दिया। एनटीए ने कहा कि 98 से ज्यादा पर्सेंटाइल वाला स्कोर कार्ड फर्जी है और उसे अनफेयर मीन्स कमेटी (यूएफएम) को भेज दिया। याचिका में कहा गया है कि यूएफएफ कमेटी ने न तो कोई जांच की और न ही कोई कारण बताओ नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता को अंतिम जांच रिपोर्ट बनाते समय न तो कोई सूचना दी गई और न ही उसका पक्ष लिया गया।

अंतरिम व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए अमेरिकी अधिकारियों के भारत आने की उम्मीद

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल आने वाले दिनों में भारत आ सकता है। यह दल दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अगले दौर की चर्चा करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और अमेरिका नौ जुलाई से पहले अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमत हो सकते हैं। अभी तक हुई बातचीत में भारत ने घरेलू वस्तुओं पर 26 फीसदी जवाबी शुल्क से पूरी छूट देने पर जोर दिया है। जानकारी के मुताबिक व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी अधिकारियों की टीम के भारत आने की उम्मीद है। वार्ताएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारत के मुख्य वार्ताकार वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले हफ्ते ही वाशिंगटन की अपनी चार दिवसीय यात्रा पूरी की। उन्होंने प्रस्तावित समझौते पर अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी व्यापार वार्ता को गति देने के लिए पिछले सप्ताह वाशिंगटन में थे।

जब मुझे पीटा गया, तब उनका सामाजिक न्याय कहां था - ऐश्वर्या राय

पटना

तेज प्रताप यादव की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उठा सियासी तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। लालू परिवार एक बार फिर से मुश्किलों में फंसता नजर आ रहा है। तेज प्रताप की पत्नी ऐश्वर्या ने लालू परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि ये सब चुनाव को लेकर ड्रामा किया जा रहा है। लालू परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय ने कहा कि मेरी जिंदगी क्यों बर्बाद की गई मुझे क्यों पीटा गया अब अचानक उनमें सामाजिक जागृति आ गई है। वे सब एक हैं। वे अलग नहीं हुए हैं... चुनाव नजदीक हैं, इसलिए उन्होंने ऐसा कदम उठाया और यह ड्रामा किया जा रहा है।

मधुबनी-गोंड कलाकारों से मिलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, कृतियों को सराहा

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को मधुबनी और गोंड कला के कलाकारों ने आर्टिस्ट इन रेजिडेंस कार्यक्रम के तहत मुलाकात की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश की पारंपरिक कला रूपों को प्रदर्शित करना है। मध्य प्रदेश के गोंड कला और बिहार के मधुबनी कला के कलाकार आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम के तहत 20 से 27 मई तक राष्ट्रपति भवन में निवास करके अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। मधुबनी कला के कलाकारों में शांति देवी, अंबिका देवी, मनीषा झा, प्रीति कर्ण, रंजन पासवान, शांति देवी,

उर्मिला देवी, श्रवण पासवान, कुमारी नलिनी शाह और मोती कर्ण शामिल हैं। गोंड कला के कलाकारों में दुगार्बाई व्याम, सुभाष व्याम, नानकुसिया श्याम, राम सिंह उवेर्ती, दिलीप श्याम, चंपाकली, हीरामन उवेर्टी और जापानी श्याम धुर्वे शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कलाकारों की कृतियों को देखा और उनकी सराहना की। ये कलाकार भारत की महत्वपूर्ण पारंपरिक कला रूपों में योगदान दे रहे हैं और उन्हें भविष्य में भी अपनी कला को आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

जयशंकर ने कनाडा की नई विदेश मंत्री अनीता आनंद से बात कर दिया संकेत

नई दिल्ली

तकरीबन दो वर्षों से भारत और कनाडा के रिश्तों में लगातार आ रही गिरावट का दौर अब थमने लगा है और उम्मीद हैं कि दोनों तरफ से जल्द ही रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिश शुरू होगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर और कनाडा की नई विदेश मंत्री अनीता आनंद के बीच टेलीफोन पर बात हुई। बताया गया है कि यह वार्ता काफी सकारात्मक रही है। फरवरी, 2024 के बाद पहली बार दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत हुई है। कनाडा में हाल ही में हुए चुनाव के बाद मार्क कार्ने की

अगुवाई में नई सरकार का गठन हुआ है। नई सरकार की तरफ से अभी तक भारत विरोधी कोई बयानबाजी नहीं हुई है जैसा कि पूर्व पीएम जस्टिन ट्रुडो के कार्यकाल में होता था। इसे नई सरकार की भारत को लेकर बदले रुख के तौर पर भारत में देखा जा रहा है। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच जिस तरह से आर्थिक सहयोग पर बात हुई है, उससे यह भी लग रहा है कि संभवतः दोनों सरकारों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी फिर से बात शुरू हो। अनीता आनंद से बात करने के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, कनाडा की विदेश मंत्री से हुई बातचीत की मैं प्रशंसा करता हूं। हमने भारत-कनाडा संबंधों की भावी संभावनाओं के बारे में बात की। मैं उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इसके बाद विदेश मंत्री आनंद ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए कहा, भारत-कनाडा संबंधों को मजबूत बनाने, आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने और साझा प्राथमिकताओं के विषय पर बहुत ही अच्छी बातचीत के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर का धन्यवाद।

गोयल ने पेटीएम संस्थापक से की मुलाकात, भारत को डिजिटल भुगतान केंद्र बनाने पर की चर्चा

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने वैश्विक फिनटेक और डिजिटल भुगतान पावरहाउस बनाने और भारत में निर्मित भुगतान प्रणालियों को दुनियाभर में निर्यात करने पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा से मुलाकात की और भारत में फिनटेक, डिजिटल भुगतान और समावेशी ई-कॉमर्स के भविष्य पर चर्चा की।केंद्रीय मंत्री ने चर्चा के दौरान भारत को वैश्विक फिनटेक और डिजिटल भुगतान पावरहाउस बनाने के सरकार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। बातचीत में भारत-निर्मित भुगतान प्रणालियों को दुनिया भर में निर्यात करने की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया, एक ऐसा क्षेत्र जहां पेटीएम मोबाइल भुगतान, क्यूआर आधारित भुगतान, साउंडबॉक्स, कार्ड मशीन और यूपीआई-आधारित सेवाओं जैसे नवाचारों के साथ अग्रणी शक्ति रहा है। इसके अलावा दोनों ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स की समावेशी क्षमता पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दिल्ली के झुग्गीवासियों को पक्का मकान देने का वादा

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज शालीमार बाग में सीवर, गैस और पानी की पाइप लाइनों का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर राजधानी के झुग्गीवासियों को पक्का मकान देने का वादा भी किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी पर व्हाट्स ऐप के माध्यम से झुग्गियों के विध्वंस के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली

सरकार ने डीयूएसआईबी के माध्यम से झुग्गियों में नालियों, सड़कों, शौचालयों, स्नानघरों और पार्कों के लिए बजट में 700 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने उद्घाटन कार्यक्रम में पत्रकारों को बताया कि दिल्ली सरकार झुग्गीवासियों को पक्के मकान प्रदान करेगी। जब तक मकानों का आवंटन नहीं हो जाता तब तक यह लोग सुविधाओं के साथ अपनी झुग्गियों में सुरक्षित रहेंगे। रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछले महीने प्रत्येक जलभराव बिंदु के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई थी।

राष्ट्रपति ने पांच हाई कोर्ट के लिए सात जजों की नियुक्ति की

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पांच हाई कोर्ट के लिए सात जजों की नियुक्ति की है। आज जारी नोटिफिकेशन में इन नियुक्तियों की घोषणा की गई। राष्ट्रपति ने मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के लिए तीन और पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट, उत्तराखंड हाई कोर्ट, गौहाटी हाई कोर्ट और बांबे हाई कोर्ट के लिए एक-एक जज की नियुक्त की है। राष्ट्रपति ने मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के लिए दीपक खोट, अमित सेठ और पवन कुमार द्विवेदी को जज नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के लिए रोहित कपूर, उत्तराखंड हाई कोर्ट के लिए सुभाष उपाध्याय, गौहाटी हाई कोर्ट के लिए शमीमा जहां और बांबे हाई कोर्ट के लिए सचिन शिवाजीराव देशमुख को जज नियुक्त किया है।

ब्रिटिश के लिवरपूल विश्वविद्यालय का बेंगलूरू में होगा कैंप स्थापित

भारत में परिसर स्थापित करने वाला दूसरा ब्रिटिश विश्वविद्यालय है लिवरपूल

नई दिल्ली

यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल को भारतीय शिक्षा मंत्रालय ने बेंगलुरू में एक कैंपस स्थापित करने के लिए आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। यह भारत में अपना परिसर स्थापित करने वाला दूसरा ब्रिटिश विश्वविद्यालय बन जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को नई दिल्ली में यह घोषणा की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली के ताज होटल में आयोजित एक समारोह में लिवरपूल

विश्वविद्यालय को आशय पत्र (एलओआई) सौंपे जाने के समारोह की अध्यक्षता की। इस दौरान धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आशय पत्र वैश्विक उच्च शिक्षा में भारत के एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में उभरने की पुष्टि करता है। यह अग्रणी वैश्विक विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक साझेदारी को गहरा करने की भारत की यात्रा में एक और मील का पत्थर है। प्रधान ने अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। कहा कि लिवरपूल विश्वविद्यालय नवाचार को बढ़ावा देने वाले स्टेम-संबंधित अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा है। इस मौके पर भारत में तैनात ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून सीबी ओबीई, यूजीसी के अंतरिम अध्यक्ष और शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी, लिवरपूल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टिम जोन्स के अलावा विदेश और शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी के अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। लिवरपूल विश्वविद्यालय के कुलपति टिम जोन्स ने कहा कि यह विजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अटूट समर्थन से एक वास्तविकता बन गया है, जिनकी उच्च गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता हमें प्रेरित करती रहती है। वे दुनिया में बदलाव लाने वाले बनना चाहते हैं और छात्रों को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना चाहते हैं। इस पहल से भारतीय छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने और वैश्विक नागरिक बनने का अवसर मिलेगा। साथ ही यह भारत और यूके के बीच शैक्षिक संबंधों को और मजबूत बनाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह परिसर अगस्त 2026 में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का स्वागत करेगा। लिवरपूल विश्वविद्यालय का कैंप शुरूआत में व्यवसाय प्रबंधन, लेखा और वित्त, कंप्यूटर विज्ञान और जैव चिकित्सा विज्ञान में कार्यक्रम पेश करेगा। गेम डिजाइन में एक कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा जो भारत में यूके विश्वविद्यालय परिसर के लिए एक अनूठी पेशकश होगी।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर दर्ज पॉक्सो मामले की क्लोजर रिपोर्ट मंजूर

नई दिल्ली

पटियाला हाउस कोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर दर्ज पॉक्सो मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को मंजूर कर लिया है। एडिशनल सेशंस जज गोमती मनोचा ने क्लोजर रिपोर्ट को मंजूर करते हुए बृजभूषण शरण सिंह पर दर्ज पॉक्सो मामले को रद्द कर दिया है। पॉक्सो मामले में दिल्ली पुलिस ने कहा था कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं। दिल्ली पुलिस ने 15 जून, 2023 को पटियाला हाउस कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को क्लीन चिट दे दी थी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397